दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 266 | ग्वालियर, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

क्या अत्यधिक मीडिया रिपोर्टिंग से न्याय बाधित होता है? हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा कि किसी मामले में चल रही जांच में मीडिया द्वारा अत्यधिक रिपोर्टिंग करना क्या अदालत की अवमानना अधिनियम के तहत न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप होगा? मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की पीठ ने सरकार से 6 नवंबर तक यह बताने को कहा है कि क्या खबरों की रिपोर्टिंग जांच को और इसके बाद चलने वाले मुकदमे को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है, और क्या अदालत को मीडिया की रिपोर्टिंग पर दिशानिर्देश निर्धारित करना चाहिए? पीठ ने कहा, यदि अत्यधिक रिपोर्टिंग हो रही है, तो यह आरोपी को सतर्क कर सकता है और वह साक्ष्यों को नष्ट कर सकता है या फरार हो सकता है या यदि वह व्यक्ति बेकसूर है, तो मीडिया की जरूरत से ज्यादा रिपोर्टिंग उसकी छवि खराब कर सकती है। अदालत ने कहा, हम यह नहीं चाहेंगे कि मीडिया अपनी लक्ष्मण रेखा लांघे और हम यह भी चाहेंगे कि हम लोग भी अपनी सीमाओं के अंदर रहें। साथ ही, पीठ ने सरकार से पूछा कि क्या इस तरह की रिपोर्टिंग दखलंदाजी होगी और क्या सरकार ने सोचा है कि उच्च न्यायालय के पास दिशा-निर्देश तय करने का अधिकार क्षेत्र है? हाई कोर्ट ने कहा, क्या मीडिया की अत्यधिक रिपोर्टिंग अदालत की अवमानना अधिनियम की धारा 2(सी) के तहत न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप है और क्या हमें दिशानिर्देश निर्धारित करना चाहिए? हमारे समक्ष यह मुद्दा है। अदालत ने अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल (एएसजी) अनिल सिंह से उन परिदृश्यों पर भी विचार करने को कहा, जहां किसी मामले की चल रही जांच पर (जिसमें आरोपपत्र दाखिल किया जाना बाकी हो) इस तरह की रिपोर्टिंग ने जांच अधिकारी (आईओ) को प्रभावित किया हो, या इसके परिणामस्वरूप गवाहों को धमकी मिली हो।

जनरल डायर के बाद औरंगजेब की एंट्री, गिरिराज का तेजस्वी पर हमला

गोपालगंज। बिहार विधानसभा चुनाव में जनरल डायर के बाद अब औरंगजेब की भी एंट्री हो गयी है। बीजेपी के फायर ब्रांड नेता और केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की तुलना मुगल बादशाह औरंगजेब से की है। गिरिराज सिंह ने तेजस्वी यादव पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि तेजस्वी यादव वैसे नेता हैं जो अपने मां-बाप की विरासत पर आगे बढ़े हैं। लेकिन अब उन्होंने पोस्टर से अपने ही पिता लालू प्रसाद यादव का फोटो गायब कर दिया है। गोपालगंज के बंजारी चौक स्थित एक होटल में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जिनकी राजनीतिक विरासत पर तेजस्वी यादव ने अपना चेहरा चमकाने की कोशिश की, पोस्टर से उसी मां-बाप की तस्वीर को गायब कर दिया और ये इतिहास बताता है कि पूर्व में भी कई सम्राटों ने ऐसा किया था। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह इन दिनों गोपालगंज में कैंप किए हुए हैं। यहां वे गुरुवार को बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में एनडीए के भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी के लिए जनसंपर्क करने पहुंचे थे। गिरिराज सिंह ने कहा कि आज तेजस्वी यादव कहते हैं कि बिहार में विकास दिखाई नहीं देता है तो उन्हें रात को भी हेलीकाफ्टर से जाकर विकास देखना चाहिए कि विकास किसको कहते हैं।

अब खाद्यान को जूट के थैलों में पैक करना जरूरी, नरेन्द्र मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। केन्द्रीय कैबिनेट की बैठक पीएम नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में गुरुवार को हुई, जिसमें तीन महत्वपूर्ण फैसले किए गए। केन्द्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि पहला फैसला चीनी से बनने वाली इथेनॉल की नई कीमत को लेकर हुआ। अब यह कीमत 62.65 रुपये लीटर होगी। इथेनॉल बी हैवी की कीमत 57.61 रुपये, सी हैवी की कीमत 45.69 रुपये होगी।जावड़ेकर ने बताया कि दूसरा फैसला कैबिनेट की बैठक में यह हुआ कि 100त्न खाद्यान्न के लिए जूट के बैग आएंगे और 20प्रतिशत शक्कर जूट के बैग में पैक होगी। इससे जूट की खेती को बढ़ावा मिलेगा, रोज़गार मिलेगा और किसानों का फायदा होगा। इसके साथ ही, केन्द्रीय कैबिनेट में बांधों की सुरक्षा और उसके मरम्मत के लिए योजना के दूसरे और तीसरे चरण को मंजूदी दी गई। गई है। 10 साल(अप्रैल 2021 से मार्च 2031 तक) की ये परियोजना दो चरण में होगी जिसकी अनुमानित लागत 10,211 करोड़ रुपये होगी। कैबिनेट की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यह बताया गया कि इन बांधों से जुड़ी परियोजोना के बजट का 80 फीसदी हिस्सा और वर्ल्ड बैंक और एआईआईबी से आएगा। इसके साथ ही, योजना के दूसरे चरण में बांधों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इस योजना में देश के 19 राज्यों के शामिल किया गया है।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को हुआ कोरोना

बिहार चुनाव में बीजेपी की हैं स्टार प्रचारक

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। उन्होंने गुरुवार को यह जानकारी ट्वीट के जरिए दी। इसके साथ ही उन्होंने अपने संपर्क में आए लोगों से जल्द जांच कराने को कहा है। स्मृति ने ट्वीट करते हुए कहा- इस बात का ऐलान करने के लिए शब्दों का चयन मेरे लिए दुर्भ है। इसलिए इसे साधारण रखते हुए कहती हूं कि मेरा कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है और उन लोगों से अनुरोध करना चाहूंगी जो मेरे संपर्क में आए हैं वे जल्द से जल्द अपनी जांच करवा लें। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने पिछले हफ्ते अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी का भी दौरा किया था, जहां पर उन्होंने अपने लोकसत्रा क्षेत्र के लिए कई परियोजनाओं का ऐलान किया था। कोरोना वायरस रोकथाम के लिए मार्च में लगाए गए लॉकडाउन के बाद यह अमेठी का उनका पहला दौरा था।

इससे पहले, बिहार के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता सुशील कुमार मोदी कोरोना संक्रमित पाए गए थे। उन्हें इलाज के लिए पटना स्थित एम्स में भर्ती कराया गया था। सुशील मोदी ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी थी। जबकि, चुनाव प्रचार करते हुए बीजेपी के एक और स्टार प्रचार और पार्टी के सीनियर नेता शाहनवाज हुसैन रैली करते हुए कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इसके बाद उन्हें एम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था। इससे पहले केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले, संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल कोरोना के संक्रमण का शिकार हो चुके हैं। रेल राज्य मंत्री सुरेश सी अंगड़ी का कोरोना के कारण निधन हो चुका है। स्मृति ईरानी बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की स्टार प्रचारक हैं और चुनाव कैंपेन के दौरान वह जोरदार तरीकों से विपक्षियों पर निशाना साधती आ रही हैं। स्मृति ईरानी ने गोपालगंज में आयोजित एक चुनावी सभा में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद पर हमला बोलते हुए कहा कि वो पंद्रह साल आपको याद नहीं, जब किसी एजेंसी का शीशा तोड़कर गाड़ी लूट ली जाती थी और कहा जाता था घर में शादी है। तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए स्मृति ने कहा कि जिसने जीवन भर नौकरी नहीं की, वह 10 लाख नौकरी दिलाएगा।

मुंगेर हिंसा पर कांग्रेस ने नीतीश सरकार को घेरा

सुरजेवाला ने पीएम मोदी से पूछे 5 सवाल

से पांच सवाल भी पूछे

- निर्दोषों पर फायरिंग के लिए कौन जिम्मेदार है
- लाठीचार्ज के लिए कौन जिम्मेदार है
- फायरिंग में युवा की हत्या के लिए कौन जिम्मेदार है
- डीएम और एसपी को बचाने के लिए कौन जिम्मेदार है
- मुंगेर में जंगलराज के लिए कौन जिम्मेदार है

> कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह स्पष्ट है कि नीतीश और सुशील मोदी सरकार के इशारे पर गोलीबारी की घटना हुई थी. अब 72 घंटे बाद मुंगेर एक बार फिर जल रहा है. क्या अब प्रधानमंत्री इस ओर ध्यान देंगे.

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनावों के बीच मुंगेर शहर में अशांति फैल गई. गुरुवार को शहर में फिर से हिंसक घटना हुई. नाराज लोगों ने आगजनी भी की. जानकारी के मुताबिक गुस्साए लोगों ने पहले पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रदर्शन किया. इसके बाद पूरब सराय थाने में आग लगा दी. जिसके बाद डीआईजी मनु महाराज ने खुद शहर में मोर्चा संभाला. इस बीच कांग्रेस ने मुंगेर में फिर भड़की हिंसा पर नीतीश सरकार पर निशाना साधा है. कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह स्पष्ट है कि नीतीश और सुशील मोदी सरकार के इशारे पर गोलीबारी की घटना हुई थी. अब 72 घंटे बाद मुंगेर एक बार फिर जल रहा है. क्या अब प्रधानमंत्री इस ओर ध्यान देंगे. इसके साथ ही कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी सुरजेवाला ने आगे कहा कि जब तक पीड़ितों के साथ न्याय नहीं किया जाता है और जिम्मेदार लोगों को सजा नहीं दी जाती है, तब तक लोगों को राहत नहीं मिलेगी. केंद्र में एनडीए की सरकार है, राज्य में भी एनडीए की सरकार है; मुंगेर के एसपी और डीएम आपके हैं, फिर वे कैसे साजिश का आरोप लगा सकते हैं? सुरजेवाला ने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि एसपी, डीएम का तबादला पर्याप्त नहीं होगा, न्याय होना चाहिए. जिस तरह से अमानवीय व्यवहार भक्तों पर किया गया है. हम उसके न्याय के लिए अपना विरोध जारी रखेंगे.

चुनाव आयोग की कार्रवाई पर बात करते हुए सुरजेवाला ने कहा कि नीतीश कुमार कार्यवाहक सीएम और सुशील मोदी कार्यवाहक उपमुख्यमंत्री के रूप में हैं, कानून-व्यवस्था सरकार की जिम्मेदारी है, चुनाव आयोग चुनाव प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है, एसपी और डीएम का स्थानांतरण केवल खानापूर्ति है. अंत में सुरजेवाला ने तंज कसते हुए कहा,जब अपने भये कोतवाल तो डर काहे का।

हम बिहार में शूटिंग के लिए आते थे तो लोग कहते थे हीरोइन को छुपा लो

बिहार। बिहार में चुनाव प्रचार कर रहे बीजेपी सांसद और अभिनेता रवि किशन ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधा. पीएम मोदी के बाद रवि किशन ने बेनीपट्टी की जनसभा के दौरान तेजस्वी यादव को जंगलराज का युवराज कहा. इस दौरान रवि किशन ने पीएचईडी मंत्री विनोद नारायण झा के लिए वोट मांगे. मधुबनी जिले के बेनीपट्टी विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी के स्टार प्रचारक रवि किशन ने जनसभा को संबोधित किया. रवि किशन ने भोजपुरी में भाषण की शुरुआत की. उन्होंने कहा कि जिंदगी झंड बा, कौने बात का घमंड बा. रवि किशन ने कहा कि कोरोना काल में तेजस्वी यादव कहां थे, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुफ्त में अनाज बांट रहे थे. फिर मंच से रवि किशन ने जनता से पूछा कि जंगलराज का युवराज कौन है.

जनसभा से आवाज आते ही बोले तेजस्वी यादव हैं ना. उन्होंने कहा

बीजेपी सांसद रवि किशन ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधा

कि यदि हुड़दंग की पार्टी चुनाव जीत गई, तो फिर से अंधेरा हो जायेगा. डकैती होगी, लूटपाट होगी, कोई माता बहन घर से नहीं निकल पाएगी. उन्होंने कहा कि 15 साल पहले बिहार में जब हम शूटिंग के लिए आते थे, तो लोग कहते थे कि फिल्म की हीरोइन को छुपा लीजिये, नहीं तो उसका अपहरण हो जाएगा. वहीं रवि किशन ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मुद्दे को भी उठाया. उन्होंने कहा कि सुशांत सिंह की मौत हो गई और महाराष्ट्र में एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई. क्योंकि वहां कांग्रेस गठबंधन की सरकार है. इस मामले में बिहार में एफआईआर हुई, क्योंकि यहां एनडीए की सरकार है. रवि किशन ने कहा कि कितने और सुशांत को मारोगे. वहीं तेजस्वी पर निशाना साधते हुए कहा कि 10 लाख नौकरी के वादे पर मत जाना, क्योंकि जहां सुशासन होता है, वहां रोजगार होता है. रोजगार वहां नहीं होता है, जहां क्राइम होता है.

बाजवा के पैर थर-थर कांप रहे थे

बयान पर पाकिस्तान में जमकर हंगामा

दिल्ली। पाकिस्तान में पीएमएल-एन पार्टी के नेता अयाज सादिक के भारतीय पायलट अभिनंदन की रिहाई को लेकर दिए गए बयान के बाद हंगामा खड़ा हो गया है. अयाज सादिक ने कहा था कि पाकिस्तान ने भारत के हमले के डर से अभिनंदन की तुरंत रिहाई कर दी थी. अब पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने अयाज सादिक के दावे को खारिज कर दिया है. कुरैशी ने कहा कि जिम्मेदार लोग भी ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं. कुरैशी ने कहा कि उन्हें इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि नेशनल एसेंबली के पूर्व स्पीकर सादिक ये कहेंगे कि अभिनंदन वर्धमान को पाकिस्तान ने भारत के दबाव में छोड़ दिया. कुरैशी ने कहा कि उनका बयान हकीकत के बिल्कुल उलट है.

कुरैशी ने कहा कि इंटेलिजेंस रिपोर्ट को लेकर सरकार ने सभी संसदीय नेताओं को

भरोसे में लिया था लेकिन बैठक में अभिनंदन का कोई जिक्र नहीं किया गया था. पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा, राजनीतिक लाभ के लिए बेहद गैर-जिम्मेदाराना बयान जारी किए जा रहे हैं, जिम्मेदार लोग गैर-जिम्मेदार तरीके से बातें कर रहे हैं जो हैरान करने वाला है. कुरैशी ने विपक्षी दलों को भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव के मामले पर उनके रुख को लेकर निशाने पर लिया. कुरैशी ने सलाह दी कि विपक्ष कुलभूषण जाधव को लेकर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट के फैसले को ध्यान से पढ़े और पाकिस्तान के रुख को भी ठीक तरह से समझे. कुरैशी ने कहा कि कुलभूषण मामले में कोर्ट के आदेश का पालन करने के लिए सरकार अध्यादेश लाई है जिसे लेकर विपक्ष लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है.

एमपी उपचुनावः 28 सीटों पर

3 नवंबर को होने वाली वोटिंग क्यों है बहुत अहम

भोपाल/पटना। बिहार विधानसभा चुनाव पर सबकी नजरें टिकी हैं, लेकिन 3 नवंबर को मध्य प्रदेश की 28 सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव भी कम अहम नहीं हैं. ये उपचुनाव भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस दोनों के लिए बहुत मायने रखते हैं. बीजेपी की मौजूदा विधानसभा के अंकगणित में आरामदायक स्थिति है. वहीं कांग्रेस 2018 विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी, तब कांग्रेस ने कमलनाथ के नेतृत्व में सरकार भी बनाई, लेकिन वो इस साल मार्च में गिर गई.

ऐसा ज्योतिरादित्य सिंधिया की अपने 22 समर्थक विधायकों के साथ बगावत और फिर बीजेपी से हाथ मिलाने की वजह से हुआ. तब से राज्य में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में बीजेपी सरकार है. ये उपचुनाव शिवराज सिंह चौहान और कमलनाथ के साथ-साथ

ज्योतिरादित्य सिंधिया, दिग्विजय सिंह और नरेंद्र सिंह तोमर सहित राज्य के कई और दिग्गज नेताओं के लिए महत्वपूर्ण हैं.

दिल्ली में बढ़ने लगी सर्दी, अक्टूबर में न्यूनतम तापमान ने तोड़ा 26 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 26 वर्षों में अक्टूबर महीने में सबसे कम है। भारतीय मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के मुताबिक, साल के इस समय में सामान्य न्यूनतम तापमान 15 से 16 डिग्री सेल्सियस रहता है। विभाग के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि इससे पहले वर्ष 1994 में दिल्ली में इतना कम तापमान दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, आखिरी बार 31 अक्टूबर, 1994 को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 12.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। श्रीवास्तव ने कहा कि शहर में अक्टूबर माह में सर्वकालिक न्यूनतम तापमान (9.4 डिग्री सेल्सियस) 31 अक्टूबर, 1937 को दर्ज किया गया था।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्टस

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर...

थाना आंतरी पुलिस ने एक बदमाश को मय 315 बोर का 01 कट्टा व 01 जिंदा राउंड सहित किया गिरफ्तार

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर अमित सांघीएभापुसेके निर्देश पर आगामी विधानसभा उपचुनाव को दृष्टिगत रखते हुए ग्वालियर जिले मेंअवैध हथियार रखने वाले बदमाशों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ग्रामीण जयराज कुबेरएवं एसडीओपी डबरा उमेश सिंह तोमरद्वारा अपने अधीनस्त थाना प्रभारियों को मुखबिर तंत्र विकसित कर प्रभावी कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन मे कार्य करते हुऐ आजदिनांक 29ण02020को थाना प्रभारी आंतरी उनि. अमित शर्मा को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि रेलवे अंडर ब्रिज के पास कल्याणी छीमक रोड पर एक बदमाश अवैध हथियार लेकर वारदात करने की नियत से खडा है। उक्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुये थाना प्रभारी आंतरी ने मय थाना बल के साथ मुखबिर के बताये स्थान की घेराबंदी कर बदमाश को धरदबोचा। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम कप्तानपुत्रराम सिंह नाथ निवासी ग्राम कल्याणी डबरा जिला ग्वालियर बताया।गिरफ्तार बदमाश की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 315 बोर का 01कट्टा व 01 जिंदा राउंड वरामद किया। उक्त बदमाश के खिलाफ थाना आंतरी में आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

गिरफ्तार बदमाश–कप्तानपुत्र राम सिंह नाथ निवासी ग्राम कल्याणी डबरा जिला ग्वालियर

बरामद मशरूका–315 बोर का 01कट्टा व 01 जिंदा राउंड, सराहनीय भूमिका रू उक्त बदमाशको गिरफ्तार करने मे थाना प्रभारी उनि0 अमित शर्माए सउनि0 शिव सिंह गुर्जरए आर0 रवि शंकर राजावतए ब्रजमोहन शर्माकी सराहनीय भूमिका रही है।

पूर्व मंत्री संजय पाठक अल्प प्रबास पर पहुचे बरेह गांव में...

दद्दा शिष्य परिवार ने बरेह गॉव में बैठक रख कर दद्दा जी को याद किया...

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह। पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश शासन एवं विधायक संजय पाठक आज अल्प प्रवास पर ग्राम बरेह में विनोद शुक्ला के निज निवास पर पहुंचे जहां उन्होंने दद्दा शिष्य परिवार बरेह- अम्बाह सहित समस्त चम्बल परिक्षेत्र की सामूहिक बैठक को संबोधित किया। मंत्री पाठक ने संबोधित करते हुए कहा कि गुरुदेव दद्दाजी का बरेह अम्बाह चम्बल परिक्षेत्र के शिष्यों के प्रति विशेष स्नेह रहा है यहां दद्दाजी की 108 पार्थिव शिवलिंगो निर्माण की श्रृंखला में चम्बल परिक्षेत्र में पांच सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण आयोजन हुए है श्री पाठक ने कहा कि दद्दाजी भौतिक दुनिया में भले ही हमारे साथ नही है किंतु दद्दा सदैव हमारे साथ है उनका आशीर्वाद हमारे साथ है। जल्द ही दद्दा धाम कटनी में ब्रह्मलीन ग्रहस्थ संत दद्दाजी का दिव्य-भव्य मंदिर बनने जा रहा है जल्द ही उसका शिलान्यास होगा। कटनी में बनने वाला दद्दाजी का मंदिर प्रदेश का ऐतिहासिक मंदिर होगा जिसमें सभी शिष्यों का योगदान अपेक्षित है बैठक में दद्दा शिष्य परिवार के शिवदत्त व्यास, महावीर शर्मा, विनोद शुक्ला, बलवीर पाठक, राकेश शर्मा, सुबोध त्रिपाठी, गरसिंह केवट, प्रमोद शुक्ला, श्यामवीर शर्मा, रामनाथ केवट, रामवीर पाराशर, शिवा शर्मा, आकाश शुक्ला, योगेश तिवारी, अमृतांशु शर्मा, शैलेन्द्र गुर्जर, दीपक शर्मा, शेखर माथुर, लवला पंडित, दुर्गेश शुक्ला, अविनाश शर्मा, मोनू शुक्ला, रोमेश मावई, आशीष शर्मा, मोनू तोमर, आशुतोष शुक्ला सहित दद्दा शिष्य परिवार चम्बल परिक्षेत्र के अन्य गुरुभाई उपस्थित रहे।

तहसील खेरागढ़ के ग्राम पंचायत लखनपुरा विकास खण्ड खेरागढ़ में घटिया सामग्री लगाकर ठेकेदार बंटी ने शौचालय का कार्य पूरा कर दिया गया है

पुष्पांजली टुडे न्यूज़
राहुल कुमार की रिपोर्ट

आगरा। तहसील खेरागढ़ के ग्राम पंचायत लखनपुरा विकास खण्ड खेरागढ़ में घटिया सामग्री लगाकर ठेकेदार बंटी ने शौचालय का कार्य पूरा कर दिया गया है। तहसील खेरागढ़ जिला आगरा के ग्राम पंचायत लखनपुरा विकासखंड खैरागढ़ में सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य किया गया है इसमें ठेकेदार बंटी चाहर के द्वारा घटिया सामग्री लगाई गई है लाल रेत व कम सीमेंट 8 द्व द्व की लोहे की सरियो का प्रयोग किया गया है घटिया सामग्री के कार्डन शौचालय की छत जुक गयी है नन्हे खान सचिन भवानी शंकर प्रधान मिलकर घोटाला करा रहे हैं। उच्च अधिकारियों के मना करने के बावजूद भी ठेकेदार ने मनानी तरीखे से शौचालय का कार्य पूरा करा दिया है।

धरातल पर आंगनबाड़ी के पिलर, आधे से ज्यादा निकला पैसा,शौचालय और रपटों में भी किया घपला

धीरज ओझा

पोहरी जनपद की ग्राम पंचायत देवरिकला का मामला आया है जहाँ सरपंच सचिव ने भरस्टाचार कर 780000 रुपये की लागत से बनने वाली आंगनबाड़ी भवन की आधे से ज्यादा राशि निकाल ली गयी है

जानकारी के मुताबिक पोहरी जनपद के ग्राम पंचायत देवरिकला के मदरका में दिनांक 14/04/2016 को तकरीबन 780000 (सात लाख अस्सी हजार) रुपये से स्वीकृत हुई थी जिसमे सरपंच सचिव ने आंगनबाड़ी के नाम पर सिर्फ 4 पिलर खड़े कर 83000,81000, 64750, 57500, 53900, 44495, 57000 किस्तों में तकरीबन 4 लाख 41 हजार 645 रुपये की राशि निकाल ली गयी है आधे से ज्यादा निकाली गई राशि से सरपंच एवम सचिव ने भ्रष्टाचार करके आंगनबाड़ी के नाम पर मात्र 4 पिलर खड़े कर गोल माल कर दिया गया है

आंगनबाड़ी हो रही है किराए के मकान में संचालित–वही ग्राम मदरका की आंगनबाड़ी के सम्बद्ध में जनकारी जुटाई गई तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शशिप्रभा त्रिवेदी ने बताया कि आंगनबाड़ी भवन पंचायत द्वारा बनाया जाना था जो आज तक अधूरा निर्माण ही हुआ है वही स्कूल में पर्याप्त जगह न होने के कारण आंगनबाड़ी संचालित नही हो पाती है इसी कारण एक पटोर (छोटा मकान) में आंगनबाड़ी संचालित करनी पड़ती है जिसमे काफी समस्याओ का सामना करना पड़ता है वही ग्रमीणों ने भी आरोप लगाए की सरपंच सचिव अपनी मनमानी करते है शिकायत करने के बाद भी हमारे काम पूरे नही किये जाते है आज लगभग 3 वर्ष से आँगबाड़ी का कार्य अधूरा डला है और सरपंच सचिव ने इस निर्माण कार्य का पैसा भी निकाल लिया है और धरातल पर आंगनबाड़ी के नाम पर 4 पिलर कर भरस्टाचार कर दिया गया है

व्यक्तिगत शौचालय निर्माण में भी कर दिया बंटाधार– व्यक्तिगत शौचालय निर्माण कार्य पर भी घपला नजर आया है जहाँ शौचालय के नाम पर भी फर्जीवाड़ा कर दिया गया है ग्राम मदरका पंचायत देवरिकला में सरपंच के खाते में व्यक्तिगत शौचालय के नाम पर 1 लाख 32 हजार रुपये की राशि पंचायत दर्पण पर दिख रही है जिसमे मथुरा नाम से ग्राम मदरका में व्यक्तिगत शौचालय दिखाया जा रहा है जब वस्तुस्थिति पता कि गयी तो मथुरा नाम की महिला काफी वर्ष पूर्व ही अपना सब कुछ बेच कर पलायन कर चुकी है और दूसरी किसी मथुरा नाम की महिला एवम पुरूष से ग्राम मदरका में होना ग्रामीणों ने इनकार कर दिया

दूसरा मामला व्यक्तिगत शौचालय का जगदीश नाम से उजागर हुआ–जहाँ जगदीश नाम के व्यक्ति का शौचालय भुगतान सरपंच के खाते में होना बताया जबकि

स्थिति कुछ और ही दिखाई दी जब नथिया जाटव पत्नी जगदीश ने बताया कि उसका पति जगदीश जाटव का कुछ वर्ष पहले देहांत हो चुका है एवं अपने एक 10 साल के बेटे के साथ वह अकेली रहती है जहाँ उसके पति के नाम पर शौचालय का सरपंच खाते से भुगतान हो कर शौचालय निर्माण होना बताया है जबकि जगदीश के यहाँ पर किसी प्रकार का शौचालय निर्माण कार्य हुआ ही नही है वही कुछ और ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लहभग पिछले 2 वर्ष से शौचालय निर्माण के लिए इंटे हमारे यहाँ पर रख दी गयी है पर आजतक व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण नही कराया गया है और जहाँ पर व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण कराया गया है वहाँ शौचालय की स्थिति काफी दयनीय है शौचालय के नाम पर घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर सिर्फ खाना पूर्ति कर दी गयी है

ग्राम राठखेड़ा से नही लिया सबक–यहाँ बता दिया जाए कि कुछ समय पहले ग्राम राठखेड़ा में घटिया शौचालय निर्माण कार्य के कारण 2 मासूमो की जान चली गयी थी जिसके बाद भी प्रशासन ने आजतक आंखे बंद की हुई है ग्राम पंचायतों द्वारा शौचालय निर्माण में हितग्राहियों द्वारा न करा कर थोकबंद शौचालय ठेकेदार द्वारा करा दिया जाता है जिसमे घटिया शौचालय निर्माण करा दिया जाता है वही ग्राम मड़रका पंचायत देवरीकला में भी घटिया शौचालय निर्माण कर दिया गया है और कुछ लोगो के शौचालय की राशि भी हड़प कर ली गयी है जिससे ग्रामवासी खुले में शौच करने को मजबूर है

रपटों में दिखा घटिया निर्माण कार्य–ग्राम पंचायत देवरिकला के ग्राम मड़रका में 14/04/2019 में स्वीकृत रपटा निर्माण कार्य मार वाले रास्ते पर हरिजन बस्ती में दर्शाया गया है जहाँ रपटे के नाम खानापूर्ति कर घटिया निर्माण कार्य कर दिया गया है 4 लाख रूपये से बना ये रपटा उखड़ना शुरू हो चुका है वही 16/04/2018 को स्वीकृत रपटा निर्माण नाले पर मदरका में भी यही स्थिति मिली जहाँ पर घटिया सामग्री का उपयोग कर रपटा निर्माण कार्य कर दिया गया है।

रपटा निर्माण कार्य मे होती है घटिया सामग्री उपयोग–रपटा निर्माण कार्य की बात की जाए तो सरपंच सचिव द्वारा घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर रपटा निर्माण कार्य कर दिया जाता है ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रपटा निर्माण कार्य मे नींव भराई में खेत की मिट्टी एवं घटिया किस्म की मोटी बजरी भर कर खंडों की चिनाई कर दी जाती है ऊपर से सीसी डाल कर मजबूत बनाने की कोशिस की जाती है सीसी डालते समय मे भी क्रेशर की गिट्टी एवम रेत का उपयोग कर दिया जाता है सीमेंट भी कम मात्रा की मिला कर मिट्टी से भरी रेत का उपयोग कर दिया जाता है जिससे रपटा समय से पहले टूटने एवम उखड़ने लगते है

घटिया रपटा निर्माण छुपाने ऊपर से डाली गई मिट्टी–ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि घटिया स्तर से बने रपटे जब ऊपर से खुदने लगते है तो सरपंच सचिव द्वारा मिट्टी डाल दी गयी जिससे उखड़ी हुई गिट्टी सीसी इत्यदि को छुपाया जा सके। वही आँगबाड़ी निर्माण कार्य मे सुनने में आया कि पूर्व एसडीएम पोहरी एवम प्रशानिक अधिकारी भी इस आंगनबाड़ी का निरीक्षण कर नाराजगी जता चुके है। इसके बाद भी आजतक इस पर कोई कार्यवाही होती नजर नही आ रही है। वही जब इस संबंध में इंजीनियर से लेकर जनपद सीईओ से बात करनी चाही तो उनके द्वारा फोन तक उठाना नही समझा।

इनका कहना

रपटे निर्माण कार्य जो हुआ है वो अच्छा नही हुआ है निम्न स्तर की सामग्री का उपयोग कर रपटा बना दिया है

अतर सिंह ग्रामीण ग्राम मड़रका

आंगनबाड़ी के बारे में पूर्व में भी पोहरी तहसील में शिकायत कर चुके है एवम पैसा भी निकाल लिया गया है एसडीएम ,तहसीलदार द्वारा निर्माण कार्य देखा था फिर भी कोई सुनवाई नही है

–मुंशी पाल ग्रामीण मड़रका

शौचालय बनने का सामान (सिर्फ इंटे) कोई ठेकेदार द्वारा पिछले 2 वर्ष से रखवा दिया है पर शौचालय आज तक नही बना

रामजीलाल जाटव ग्रामीण ग्राम मड़रका–

रपटा निर्माण कार्य और आंगनबाड़ी का पैसा निकलने की जानकारी मुझे नही है सचिव को ही इस बात की जानकारी है

नरेश आदिवासी सरपंच पंचायत देवरीकला

रपटों का निर्माण सही हुआ है शौचालय निर्माण की जानकारी मुझे नही है में बीच मे पंचायत सचिव नही था इसके पहले 2 सचिव रह चुके है फिर में आया हूं आंगनबाड़ी के पैसे की जानकारी मुझे नही है

पातीराम यादव सचिव ग्राम पंचायत देवरिकला

आप मुझे वॉट्सअप पर फोटो भेजिए में दिखवा लेता हूँ वही जनपद सीईओ को तत्काल फोन उठाना चाहिए जब उन्हें जरूरी जानकारी मिल रही है इस संबंध में बात करता हूं एवम मोके पर जांच करवाते है

जिला पंचायत सीईओ
एचपी वर्मा

उप स्वास्थ्य केंद्र बाचरौन पर मना विश्व स्ट्रोक दिवस, लोगों को किया जागरूक

कार्यक्रम उपरांत हुई बीपी व शुगर की जांच

रिपोर्टर–ठाकुरदास लोधी

पिछोर। विश्व स्ट्रोक दिवस पर सी.एच.ओ. श्रीमती रिन्का लोधी के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप पिछोर बीएमओ डॉ संजीव कुमार सांडे,मलेरिया अधिकारी दिनेश भार्गव,एएनएम सीता कोली,एमपीडब्ल्यू राहुल शर्मा,उच्च माध्यमिक शिक्षक विजयराम लोधी,आरएस अकेडमी के संचालक रामपाल लोधी,उमेश लोधी पत्रकार,भुमान सिंह,ज्ञान सिंह लोधी,आशा सहयोगिनी बेनबती लोधी,समस्त आशाएं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। बी.एम.ओ. डॉ. श्री सांडे ने उपस्थित सभी ग्रामवासी व कार्यकर्ताओं को स्ट्रोक के बारे में जानकारी दी तथा बीपी,शुगर व कैंसर जैसी बीमारियों के लक्षणों की नियमित जांच करवाने के लिए कहा। उप स्वास्थ्य केंद्र बाचरौन पर पदस्थ सी. एच.ओ .श्रीमती रिंका लोधी ने बताया कि विश्व स्ट्रोक दिवस हर वर्ष 29 अक्टूबर को मनाया जाता है यह भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है आगे जानकारी देते हुए बताया कि स्ट्रोक एक तरह का मस्तिष्क का अटैक है, जिसे आम भाषा में लकवा मारना कहते हैं,जो मस्तिष्क को खून की आपूर्ति करने वाली रक्त वाहनियों के फटने से या दिमाग की नसों में खून का बहना रुकने के कारण होता है स्ट्रोक किसी को भी,कभी भी और कहीं भी हो सकता है। स्ट्रोक के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हर वर्ष 29 अक्टूबर को वर्ल्ड स्ट्रोक डे मनाया जाता है स्ट्रोक दुनियाभर में वयस्कों में विकलांगता का एक कारण है जो स्ट्रोक के आघात से जिंदा बच

जाते हैं और उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जैसे लखवा,बात सुनने-समझने में समस्या,पागलपन,याददाश्त खोना आदि। वहीं इस रोग से बचाव के उपाय क्या है इन पर भी चर्चा की उन्होंने बताया कि ब्लड प्रेशर ,कंट्रोल रखें और इसकी नियमित रूप से जांच करवाएं ,धूम्रपान और नशीले पदार्थो का सेवन करने से बचें और अपनी सेहत का ख्याल रखें कोलेस्ट्रॉल युक्त खाने से बचें जिससे स्ट्रोक की संभावनाएं ज्यादा होती हैं,रोजाना घूमने जाएं एवं नियमित व्यायाम करें साथ फल और हरी सब्जियों का सेवन करें व शरीर में बढ़ने वाली कैलोरी के लिए फिजिकल एक्टिविटी में जरूर हिस्सा लें इसके साथ ही ग्राम वासियों को योगा करने की भी सलाह दी और उन्हें सुबह-सुबह घूमने की सलाह दी साथ ही इससे संबंधित आशा और आंगनबाड़ियों को सलाह दी कि आप गांव के लोगों को जागरूक करें इसके बारे में जिससे इस बीमारी से बचा जा सके तथा नियमित रूप से सभी जांच कराते रहे है। कार्यक्रम के अंत में सीएचओ रिंका लोधी ने उपस्थित सभी लोगों को आभार व्यक्त किया। वहीं कार्यक्रम समाप्ति के बाद सभी आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों की बीपी तथा शुगर की जांच की गई।

महेंद्र शर्मा रिपोर्टर ग्वालियर संभाग

भिंड की गोहद विधानसभा के बिरखड़ी रहवासियों ने सड़क ना बनाए जाने को लेकर आने वाले उप चुनाव का बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया है ग्रामीण मुख्य मार्ग से गांव को जोड़ने वाली सड़क को लेकर खासे नाराज हैं एमपी की 28 विधानसभा सीटों पर होने वाले भिंड जिले की गोहद विधानसभा में बिरखड़ी रहवासियों ने उपचुनाव के बहिस्कार का ऐलान कर दिया है गांव के लोग सड़क नहीं बनने

पर नाराज हैं अपनी नाराजगी को गांव के लोगों ने पोस्टर के जरिए साझा किया है पोस्टरों पर नेताओं का गांव में प्रवेश वंचित के स्लोगन रोड नहीं तो वोट नहीं लिख दिए गए हैं। गांव वालों का आरोप है कि हाईवे से लेकर गांव तक सड़क नहीं है हम लोग दशकों से वोट करते आए हैं लेकिन विधायक सांसद किसी ने भी आज तक वोट लेने के बाद हमारी सुध नहीं ली और आज भी हम उबड़ खाबड़ कीचड़ भरे रास्ते से गुजर रहे हैं इसलिए पहले हमारी सड़क बनवाओ फिर हम वोट डालेंगे दिनांक 27 अक्टूबर को सरकार की योजना के तहत 80 से ऊपर और विकलांगों का घर पर ही वोट डलवाने के लिए पुलिस और पार्टी की चुनाव समिति बिरखड़ी में आई, उसका ÷रोड नहीं तो वोट नहीं÷ नारे के साथ गांव वालों ने विरोध किया, चुनाव का बहिष्कार करने वालों मैं बंटी जादोन, रामसहाय शर्मा, जितेंद्र जादोन, बृजेन्द्र, लला जादोन, रामप्रकाश, सुरेश पाल, मुन्ना बाल्मिक, लोकेश पाल, अनिल बाल्मिक, राय सिंह, रामसेवक श्रोती, अजय पाल सिंह, भूपेंद्र सिंह जादोन आदि ।

गोहद विधानसभा के बिरखड़ी गांव में नुक्कड़ सभा के माध्यम से कार्यक्रम संपन्न

महेंद्र शर्मा रिपोर्टर ग्वालियर संभाग

मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री सहकारिता विभाग माननीय श्री अरविंद जी भदोरिया का गोहद विधानसभा के बिरखड़ी गांव में नुक्कड़ सभा के माध्यम से कार्यक्रम संपन्न हुआ एवं जनता से जनसंपर्क कर रणवीर जाटव प्रत्याशी है भारतीय जनता पार्टी के लिए वोट मांगे जनता के हर समय सुख दुख में साथ देने का वायदा करते मंत्री जी ने कहा बिरखड़ी गांव आज नहीं जनसंघ के समय से भारतीय जनता पार्टी के लिए वोट करते आया है इसके लिए भारतीय जनता पार्टी हमेशा बिरखड़ी गांव की आभारी रही है और राजमाता के समय ऐसा ज्ञात हुआ है कि उन्होंने बिरखड़ी गांव को गोद लिया था आज फिर श्रीमंत राजमाता के नाती श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया भारतीय जनता पार्टी में है माननीय मंत्री जी ने कहा बिरखड़ी को सारी पार्टियां भाजपा का गण मानती है,

तो मैं सभी भाइयों से निवेदन करता हूं भारतीय जनता पार्टी को भारी बहुमत से बिरखड़ी से जिता कर हमें आशीर्वाद दें। माननीय मंत्री जी का हाईवे रोड पर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष मनोज शर्मा, उपाध्यक्ष अरविंद बढाना के नेतृत्व में फूल माला पटाखों से स्वागत किया गया उसके बाद गांव के खम्मन थोक में नुक्कड़ सभा कर कार्यक्रम संपन्न हुआ माननीय मंत्री जी का मंच पर फूल मालाओं से स्वागत करने वालो में लक्ष्मी नारायण शर्मा दद्दा, ओम प्रकाश शर्मा पूर्व सरपंच, रमाकांत चौधरी, वीरेंद्र भार्गव, वीरेंद्र शर्मा, आलोक शर्मा, शिवकुमार शर्मा, रविंद्र शर्मा, बाबा शंभू दयाल शर्मा, कृष्ण कांत शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, राकेश शर्मा, जितेंद्र शर्मा, रतन सिंह बंजारा, नरेश सिंह बंजारा, भूरा बंजारा, आदि कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया माननीय मंत्री जी के साथ में आए हुए समस्त पदाधिकरी जिनमे नरेंद्र दादा जी भाजपा जिला उपाध्यक्ष, रामबाबू उपाध्याय विधानसभा प्रभारी, रविंद्र कौरव जी, धर्मेंद्र गुर्जर जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा, रक्षपाल राजावत जिला मंत्री, एड नारायण सिंह तोमर, एड राघवेंद्र कौरव आदि का भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष मनोज शर्मा से माल्यार्पण कर स्वागत किया।

कार्यकाल के शुरुआती दौर में विकास के योजना के कार्यों की शुरूआत तेज गति से की गई

पाली. नरेश कुमार सीरवी. राजस्थान पंचायत राज विभाग के अंतर्गत ग्रामीण सरकार के ग्राम प्रमुख द्वारा कार्यकाल के शुरुआती दौर के प्रथम चरण की शुरुआत के कार्य तेज गति से किए गए. पाली जिले के पाली पंचायत समिति के अधीन ग्राम पंचायत खेरवा सरपंच श्रीमती संतोष कवर के कार्यकाल के मात्र कम समय के अंतराल सबसे ज्यादा विकास की योजना के कार्य किए गए.शुरुआती दौर के प्रथम चरण में स्वस्थ भारत मिशन ग्रामीण के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय पर सुलभ शौचालय का निर्माण कार्य करवाया इसके अलावा देवासियों की ढाणी में सुलभ शौचालय का निर्माण कार्य करवाया गया. जलभराव की समस्या का समाधान बारिश के मौसम के अंतराल किया गया इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण कदम ग्राम पंचायत खेरवा द्वारा उठाया गया जिसमें लगातार स्वच्छता पखवाड़ा 2020 के तहत 12 दिन तक साफ सफाई का जन अभियान चलाया जिसमें श्रमिकों द्वारा प्रतिदिन मुख्य चौराहा सार्वजनिक स्थान गली मोहल्ले एवं सरकारी विभागीय कार्यालयों के आसपास संपूर्ण जगह पर साफ सफाई का कार्य पूरा किया जिसमें स्वच्छता के प्रति जागरूक अभियान लगातार 12 दिन तक चलाया गया और आम जनता को स्वस्थ भारत मिशन ग्रामीण के तहत महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए गए. राजकीय विद्यालय के चारदीवारी निर्माण कार्य गवाही का मुख्य तालाब की सुरक्षा दीवार बास्केटबॉल के लिए सीसी निर्माण कार्य पूरा करवाया गया पटवार दरवाजा पर नाली निर्माण का कार्य किया गया. इसके अलावा ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती संतोष कंवर के कार्यकाल के दौरान प्रस्तावित कार्यों में खेल मैदान के लिए स्वीकृति जिसमें कबड्डी बास्केटबॉल कुश्ती वॉलीबॉल इन सभी खेल संबंधित मैदान तैयार किए जाएंगे पानी की होज का निर्माण कार्य किया जाएगा इस प्रकार पाली पंचायत समिति के अधीन सफलतम

ग्राम पंचायत खेरवा इसके अलावा ग्राम पंचायत रुपावास जिसमें सरपंच सुरेश बंजारा के कार्यकाल के दौरान चारदीवारी निर्माण कार्य आदि सहित अनेक कार्यों की शुरुआत की गई ग्राम पंचायत.टेवाली. सरपंच जोगाराम कुमावत के कार्यकाल के दौरान सीसी रोड मुख्य नाला आदि सहित कार्यों की शुरुआत करके कार्य पूरे किए गए. सफलतम ग्राम पंचायत के अलावा सोडावास वडेर वास डरी दयालपुरा ग्राम पंचायत द्वारा विकास के योजना के कार्य शुरू किए गए खेरवा सरपंच संतोष कवर के अथक प्रयास के माध्यम सेपीएम आवास योजना से 4 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाया खाद्य सुरक्षा योजना के तहत वंचित परिवार के परिवार को खाद्य सुरक्षा योजना मैं जोड़ने के लिए संपूर्ण प्रयास किए और प्रयास सफल हुए.कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए ग्राम पंचायत खेरवा द्वारा लॉकडाउन के प्रथम चरण की शुरुआती दौर से अब तक जिले में सबसे सफलतम एक मात्र ग्राम पंचायत जिसमें 10000 निशुल्क मास्क वितरण किए गए और कोविड-19 को रोकने के लिए ग्राम पंचायत के संपूर्ण कर्मी ग्राम विकास अधिकारी पंचायत सहायक रोजगार कनिष्ठ सहायक एवं ग्राम पंचायत के संबंधित विभागीय कर्मियों द्वारा लगातार प्रयास के माध्यम से आम जनता को प्रतिदिन सामाजिक दूरी एवं कोराना वायरस के बचाव संबंधित दिशा-निर्देश प्रतिदिन दिए गए. सफलता के मोड़ पर आगे बढ़ रही ग्राम पंचायत खेरवा जो हर कार्य में सफल रही विकास की योजना के कार्यो के अलावा उनको रोकने के लिए सबसे सफलतम ग्राम पंचायत खेरवा का महत्वपूर्ण योगदान रहा .

बिहार के बाद मध्य प्रदेश के उपचुनाव में

भाजपा ने किया मुफ्त कोरोना वैक्सीन देने का वादा

नई दिल्ली। बिहार के बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्यप्रदेश में कोरोना वैक्सीन को लेकर वादा कर दिया है। 3 नवंबर को 28 विधान सभा क्षेत्रों के उपचुनाव होंगे.जिसके लिए भाजपा ने अपने घोषणापत्र में मध्य प्रदेश के प्रत्येक निवासी को कोविड -19 वैक्सीन मुफ्त में देने का वादा किया। भाजपा ने 28 चुनाव क्षेत्रों में से प्रत्येक के लिए संकल्प पत्र '(संकल्प दस्तावेज) शीर्षक से अलग घोषणापत्र जारी किया है। जबकि घोषणापत्र में निर्वाचन क्षेत्र-विशिष्ट मुद्दे शामिल हैं, मुफ्त कोविद -19 टीका और पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा बंद की गई योजनाओं को फिर से शुरू करना आम वादे हैं।

22 अक्टूबर को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्वालियर में एक चुनावी सभा के दौरान राज्य के लिए मुफ्त टीकों की घोषणा की। मध्य प्रदेश में कोविड-19 महामारी पर नियंत्रण काफी हद तक हासिल कर लिया गया है, लेकिन इसका स्थायी इलाज एक टीका है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने फैसला किया है कि कोविड-19 वैक्सीन गरीबों को मुफ्त में दी जाएगी जो इसका खरचा

नहीं उठा सकते, घोषणापत्र के अन्य वादों में चौहान द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों को 4,000 रुपये के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की घोषणा भी शामिल है। पार्टी ने घोषणा पत्र में दावा किया है कि 27,000 करोड़ रुपये से अधिक रकम सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा किए गए हैं। भाजपा ने कांग्रेस के 15 महीने के शासन के दौरान सभी मोर्चों पर अपनी विफलता के लिए कमलनाथ के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार पर भी हमला किया है। उन्होंने कहा, जब 15 महीने (तत्कालीन) कांग्रेस सरकार में बनी रही, तो झूठे वादों के आधार पर बनी सरकार ने गरीबों को बेचैन कर दिया। यह उपचुनाव बच्चों, बेटियों, किसानों, वृद्धों, छात्रों और मजदूरों को उनके अधिकारों से वंचित करने वाली मानसिकता का जवाब देना है... राज्य कांग्रेस के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सलूजा ने कहा- बीजेपी अपनी मतलब की राजनीति के लिए सामने आई है जिसने कोरोना वैक्सीन को भी एक चुनावी मुद्दा बना दिया है, जबकि हर नागरिक का उस पर अपना अधिकार है, सरकार में चाहे जो भी हो।

31 मार्च तक रात में बंद रहेगा लखनऊ एयरपोर्ट का रनवे, नहीं उतर सकेंगे विमान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह अनतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का रनवे रात से सुबह तक बंद रखा जाएगा। 31 मार्च तक रात 10:30 बजे से सुबह 5:30 तक कोई विमान उड़ान नहीं भर सकेगा। न ही उतर सकेगा। लखनऊ एयरपोर्ट की ओर से इस संबंध में नोटम यानी नोटिस टु एयरमैन जारी किया गया है। एयरपोर्ट अथारिटी के अनुसार रनवे की मरम्मत के साथ विस्तार के कार्य शुरू होने जा रहे हैं। इसको ध्यान में रखते हुए रनवे को बंद कर के यह कार्य कराए जाएंगे। रात और तड़के जाने या आने वाली 11 उड़ानों के समय में बदलाव किया गया है। देर रात या सुबह-सुबह आने वाली इन उड़ानों में पुणे, शारजाह और दुबई के विमान शामिल हैं। इनके समय में बदलाव किए गए हैं।

मप्र उपचुनावः सपा उम्मीदवार का बड़ा आरोप

दिग्विजय सिंह ने कहा उम्मीदवारी वापस ले लो

भोपाल। मध्य प्रदेश में 28 सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए तीन नवंबर को वोटिंग होनी है। उससे पहले समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार ने कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, दिग्विजय सिंह ने मुझे फोन किया और मुझे आगामी उपचुनाव से हटने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि मैं आपको पार्षद का टिकट दूंगा। आपको बता दें कि इस पूरे प्रकरण का ऑडियो सोशल मीडिया में वायरल है। दिग्विजय सिंह के कथित वायरल ऑडियो पर मध्य प्रदेश उपचुनाव के लिए सपा उम्मीदवार रोशन मिर्जा का कहना है कि उन्होंने दिग्विजय सिंह को उपचुनाव से हटने से मना कर दिया और कहा कि वे चुनाव लड़ेंगे। वायरल ऑडियो को लेकर बीजेपी नेता लोकेंद्र मिश्रा ने दिग्विजय सिंह पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह चुनाव के आखिरी चरण में अपने बिल से बाहर आ गए हैं। वह लोकतंत्र में नहीं बल्कि प्रबंधन में विश्वास करते हैं। उन्होंने अतीत में कहा है कि चुनाव प्रबंधन द्वारा जीते जाते हैं। साथ ही बीजेपी नेता यह भी कहा कि उन्होंने खुद ऑडियो वायरल किया होगा।

सो रहे लड़के के साथ कुकर्म कर बनाया वीडियो, फिर किया ब्लैकमेल

भोपाल। भोपाल में दोस्ती को कलंकित करने का एक मामला सामने आया है। यहां के बागसेवनिया थाना इलाके में एक लड़के के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने का मामला प्रकाश में आया है। आरोपी कभी पीड़ित लड़के के यहां किराएदार था। उसके पास लड़के का अश्लील वीडियो भी है, जिसे वायरल करने की धमकी देकर वह लंबे अर्से से उसके साथ गलत काम करता आ रहा था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। आरोपी भिंड का रहने वाला है और उसका नाम अमर जैन बताया गया है। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एक दिन उसकी तबीयत खराब थी। वह सो रहा था। इसी दौरान आरोपी आया और उसने उसके साथ नींद की हालत में अप्राकृतिक कृत्य किया। इसका वीडियो भी बनाया। नींद खुलने पर उसने वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पीड़ित के अनुसार, घटना दिसंबर 2019 की है। इसके बाद उसने फिर से फरवरी 2020 में वीडियो वायरल करने की धमकी देकर अप्राकृतिक कृत्य किया। पीड़ित ने घटना की जानकारी अपने अन्य दोस्तों को दी। उसके दोस्तों ने उसे पुलिस में रिपोर्ट करने की सलाह दी। इसके बाद पीड़ित ने बागसेवनिया थाने में मामला दर्ज कराया। आरोपी अमर जैन 2015 से 2016 तक पीड़ित के यहां किराए पर रहता था। इस वजह से उसकी पीड़ित से दोस्ती हो गई थी।

बेटे की मौत के बाद पोता-पोती नहीं मिलने दे रही बहू, दादा-दादी ने कोर्ट से लगाई गुहार

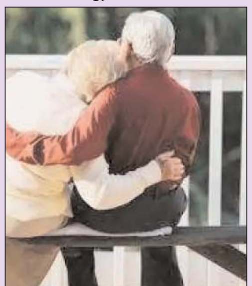

भोपाल। मध्य-प्रदेश के भोपाल के एक बुजुर्ग दंपति पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। एक ओर जहां इकलौते बेटे को खोने का दर्द सहना पड़ रहा है तो दूसरी तरफ पोता-पोती से न मिल पाने का गम सता रहा है। बेटे की मौत के बाद बच्चों को लेकर बहू मायके चली गई। बहू उन्हें पोता-पोती से नहीं मिलने दे रही है। दादा-दादी ने पोता-पोती से मिलने के लिए कुटुंब न्यायालय की शरण ली है। उनका कहना है कि बहू किसी सार्वजनिक स्थान पर सिर्फ एक घंटे के लिए बच्चों से मिलने की अनुमति दे दे, ताकि उन्हें जीने के लिए संजीवनी मिल सके। वहीं, बहू का कहना है कि दादा-दादी बच्चों को भड़काते हैं, इसलिए वह उनसे संबंध नहीं रखना चाहती। कुटुंब न्यायालय में मामले की काउंसलिंग हुई। दादा-दादी ने बताया कि उनके बेटे की मौत 30 नवंबर 2018 को हुई थी। वह दिल्ली में आईटी कंपनी में काम करता था। बहू अपने 3 बच्चों के साथ उनके घर तेरहवीं तक रही। उसके बाद वह बच्चों को लेकर मायके चली गई। पहले उन्हें लगा कि बहू को पति की मौत का सदमा लगा है। माहौल बदलने के बाद वह उनके पास आ जाएगी, लेकिन उसने सारे रिश्ते खत्म कर दिए। वह बच्चों से न वीडियोकॉल, न फोन पर और न ही आमने-सामने बात करने दे रही है। वहीं, काउंसलिंग में बहू ने स्पष्ट कह दिया कि बच्चे उसके हैं। उसे यह तय करने का हक है कि वे किससे मिलें, किससे नहीं। जब सास-ससुर ने संपत्ति बच्चों के नाम करने की बात की तो बहू ने मना कर दिया। उसने कहा कि बच्चे सक्षम होंगे तो वे खुद संपत्ति बना लेंगे। काउंसलर के समझाने पर भी बहू तैयार नहीं हुई। अब मामले की सुनवाई कोर्ट में होगी।

विधानसभा की 28 सीटों पर हैं 80 करोड़पति उम्मीदवार

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा की 28 सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में उतरे प्रत्याशियों के आर्थिक हालात की बात करें तो कुल 355 उम्मीदवारों में से 80 के पास करोड़ रुपए की संपत्ति है। हालांकि, 6 ऐसे भी उम्मीदवार हैं जो आईटीआर नहीं भरते। वहीं, 48 ऐसे प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं, जिन्होंने पैनकार्ड की जानकारी चुनाव आयोग को नहीं दी है।

6 करोड़पति उम्मीदवार वे हैं, जिनकी संपत्ति 2 करोड़ से लेकर 6.73 करोड़ रुपए तक है। आईटीआर नहीं भरने वालों में भाजपा, कांग्रेस, बसपा और पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया के एक-एक और दो निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं। इन आंकड़ों का खुलासा मध्य प्रदेश इलेक्शन

वॉच और एसोएिसशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में हुआ है। इन दोनों ही संस्थाओं ने संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने वाले 355 उम्मीदवारों के शपथ पत्रों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इसमें बताया गया है कि 80 करोड़पति उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 40 उम्मीदवार ऐसे हैं, जिनकी आय 5 करोड़ से ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक, उम्मीदवारों को अपने नामांकन के साथ अपनी संपत्ति का ब्यौरा और पैन कार्ड की जानकारी देनी जरूरी है, लेकिन 48 उम्मीदवारों ने अब तक ऐसा नहीं किया है। इस चुनाव में कई उम्मीदवार रिटर्न भरने से मुक्त हैं, क्योंकि उनकी आय इनकम टैक्स के दायरे में नहीं आती है। मध्य प्रदेश उपचुनाव में इस बार भाजपा के 23 करोड़पति उम्मीदवार मैदान में हैं। इनके अलावा कांग्रेस के 22 और बसपा के 13 उम्मीदवारों के अलावा भी कई करोड़पति उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

उज्जैन में डंपर की टक्कर से बाइक सवार 3 बच्चों और मां की मौत, सड़क पर बिखरे शरीर के अंग

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में बुधवार दोपहर एक भीषण सड़क दुर्घटना हुआ। यहां आगर-मक्सी रोड पर डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन बच्चों समेत मां की मौत हो गई। मरने वाली दो बच्चियों की उम्र 7 और 4 साल है, जबकि बेटा सिर्फ 2 महीने का था। पिता की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद ड्राइवर डंपर छोड़कर भाग निकला। हादसे के बाद शरीर के अंग सड़क पर बिखर गए थे, जिसे पुलिस ने मिट्टी डालकर ढंका। हादसा आगर-मक्सी रोड पर बुधवार दोपहर करीब 2 बजे हुआ। पंवासा के पण्डियाखेड़ी चौराहे पर तेज स्पीड में आ रहा डंपर बाइक सवार परिवार को रौंदता हुआ निकल गया। डंपर के पहिए के नीचे आने से तीनों बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बच्चों के माता-पिता को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान मां ने भी दम तोड़ दिया। पिता की हालत भी गंभीर है। सीएसपी पल्लवी शुक्ला ने बताया कि शंकरपुर डेरे के पारधी समाज के अवतार सिंह और उनकी पत्नी पूनम अपने तीनों बच्चों के साथ खिलौने खरीदने बाइक से इंदौर जा रहे थे। बाइक पर अवतार और पूनम के साथ 7 साल की बच्ची सोनाली, 4 साल की मेघा और 2 महीने का बच्चा था। डंपर जब्त कर लिया गया है, जबकि ड्राइवर फरार हो गया। अवतार फूल बेचने का काम करता है।

क्क बाराबंकी में नहर में मिली युवती की लाश, अभी शिनाख्त नहीं

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में बोरे में एक युवती की लाश मिली है. बदोसराय कोतवाली क्षेत्र में शारदा सहायक नहर में अद्रा पुल के पास एक युवती का शव बोरे में मिला, शव देखते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाया. शव की शिनाख्त नहीं हो सकती है. लाश देखे जाने पर ग्रामीणों ने मामले की सूचना बदोसराय पुलिस को दी. घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाया. मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी है.मौके पर सीओ रामनगर दिनेश कुमार भी पहुंचे और मामले की जानकारी ली. जिस तरह से बोरे में युवती का शव मिला, आशंका है कि हत्या के बाद शव को बोरे में भरकर नहर में फेंक दिया गया है. वहीं, सीओ रामनगर दिनेश कुमार ने बताया कि एक अज्ञात युवती का शव नहर में मिला है. शव देखने से प्रतीत होता है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई है. गले पर निशान भी है. शव को पैनल द्वारा पोस्टमोर्टम करवाया जाएगा और रिपोर्ट आने के बाद ही घटना स्पष्ट हो पाएगी.

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में बोरे में एक युवती की लाश मिली है. बदोसराय कोतवाली क्षेत्र में शारदा सहायक नहर में अद्रा पुल के पास एक युवती का शव बोरे में मिला.

मेरठ के सरधना में तेज धमाके से उड़ी कई घरों की छत

धुएं में गुम पूरा इलाका दो लोगों की मौत

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में बड़ा हादसा हुआ है. सरधना के पीर जादगान मोहल्ले में आज सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब तेज धमाके साथ कई घरों की छत उड़ गई. बताया जा रहा है कि हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गयी. जबकि दर्जनभर गंभीर रूप से घायल हो गए. जिस घर में धमाका हुआ, वहां पटाखे रखे गए थे. धमाका बहुत जबरदस्त था. सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया. पुलिस ने मोहल्ले को सील करके हादसे की जांच शुरू कर दी है. बताया जा रहा है कि धमाका एक पार्टी के पूर्व नगर अध्यक्ष आसिम के घर करीब साढ़े 9 बजे हुआ. धमाके से आसपास के घरों की छत उड़ गई. बताया जा रहा है कि हादसे में आसिम की मौके पर मौत हो गयी, जबकि कासिम ने अस्पताल जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया. इसके अलावा दर्जनभर पड़ोसी गंभीर रूप से घायल हुए हैं. खबर है कि घर में पटाखे रखे थे. उसके चलते घर में काफी मात्रा में बारूद मौजूद था. बताया जा रहा है कि बारूद के साथ-साथ गैस सिलेंडर में भी आग लगी, जिसके धमाके से कई घरों की दीवारों में दरार पड़ गई. फिलहाल पुलिस ने मोहल्ले को सील कर हादसे की जांच शुरू कर दी है.

बीएसपी के बागी विधायकों ने कहा, बीजेपी से मिल गई हैं मायावती, विरोध किया तो निकाला

लखनऊ। बसपा से निकाले गए बागी विधायकों ने मायावती पर हमला बोला है। बीएसपी के विधायक असलम चौधरी ने कहा कि मायावती बीजेपी से मिल गई हैं। असलम ने कहा कि बसपा और बीजेपी मिले हुए हैं। मैनें इस गठबंधन का विरोध किया। विरोध की वजह से मायावती ने निकाला । मैं बसपा का विधायक बना रहूंगा। वहीं बागी विधायक बिंद का कहना है कि भाजपा से मिलने का हमने विरोध किया। अखिलेश यादव से कोई मुलाकात नही की। उधर, बीएसपी के विधायक हरगोविंद भार्गव का कहना है कि मैं कल लखनऊ में था ही नहीं। मैं बीएसपी का विधायक बना रहूंगा। दरअसल गुरुवार सुबह मायावती ने जिन सात बागी विधायकों को पार्टी से निकाला है। उस लिस्ट में ये सब भी शामिल हैं। इन विधायकों पर पार्टी के राज्य सभा उम्मीदवार के खिलाफ बगावत करने का आरोप है। इस संबंध में विधायक दल के नेता लालजी वर्मा ने अपनी रिपोर्ट मायावती को सौंपी थी।

गोंडा: दुल्हन ने दूल्हे के साथ जाने को किया मना, वापस लौटी बारात

गोंडा। गोंडा जिले में कोतवाली नगर के फैज़ाबाद बाईपास स्थित दौलतपुरवा में भौरीगंज से आई बारात में दहेज की मांग को लेकर हंगामा हो गया। पुलिस ने दूल्हे व उसके अभिभावकों को हिरासत में ले लिया। और नगर कोतवाली ले आई। दुल्हन ने दूल्हे के साथ जाने से इन्कार कर दिया। दुल्हन के पिता ने कहा कि शादी के दिन जब ये हाल हुआ है तो आगे क्या होगा। उन्होंने ने भी दहेज लोभियों को बेटी भेजने से इनकार कर दिया। गांव के संभ्रात लोगो ने पंचायत कर शादी में दुल्हन पक्ष को क्षतिपूर्ति दिए जाने पर बात तय हुई। लोगो के अनुसार मंगलवार को भौरीगंज से बारात लेकर दूल्हा दौलतपुर गांव पहुचा, निकाह के बाद

विदाई से पहले दूल्हे ने दहेज में अन्य चीजों की मांग कर दी। अचानक दूल्हे की इस मांग से दुल्हन पक्ष के लोग भी भौचक रह गए। उन्होंने इस पर आपत्ति जताई, लेकिन दूल्हा अपनी मांग पर अडिग रहा। इससे दुल्हन व दूल्हा पक्ष के बीच विवाद व हंगामा हो गया। नौबत मारपीट तक पहुंच गई। गांव के संभ्रात नागरिकों ने मामला संभाला। सूचना पर पुलिस गांव पहुंची और दूल्हे व उसके पिता को हिरासत में ले लिया। दुल्हन के पिता ने कोतवाली में तहरीर दी। गांव के नदीम खान और सन्नू खान आदि वहां पहुंचे और मामले में पंचायत हुई। इस दौरान दुल्हन ने दहेज लोभी पति के साथ जाने से इन्कार कर दिया। पंचायत में इस बात पर सहमति बनी। और सहमति से तलाक दिये जाने की बात के साथ ही शादी में खर्च हुआ पैसा दुल्हन पक्ष को दिये जाने की बात तय हुई।

मायावती के बयान पर प्रियंका गांधी ने पूछा, इसके बाद भी कुछ बाकी है?

लखनऊ । यूपी में राज्यसभा चुनाव ने कहीं दूरियां घटाई हैं तो कहीं नफरत बढ़ा दी है। एक तरफ भाजपा और बसपा पास आते दिख रहे हैं तो दूसरी तरफ सपा-बसपा में दूरी और बढ़ती नजर आ रही है। एक साल पहले ही सपा के साथ गठबंधन कर लोकसभा चुनाव लड़ने वाली मायावती को अब भाजपा से परहेज नहीं है। मायावती के भाजपा प्रेम पर प्रियंका गांधी ने तंज कसा है। बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को बयान दिया कि हमारी पार्टी ने लोकसभा चुनाव के दौरान सांप्रदायिक ताकतों से लड़ने के लिए सपा से हाथ मिलाया था। लेकिन उनके परिवारिक अंतरकलह के कारण बसपा के साथ गठबंधन कर भी वो ज्यादा लाभ नहीं उठा पाए। मायावती ने स्पष्ट कहा कि हम सपा प्रत्याशियों को बुरी तरह हराएंगे। इसके लिए हम अपनी पूरी ताकत झोंक देंगे। इसके लिए अगर हमें भाजपा या किसी अन्य पार्टी के प्रत्याशी को अपना वोट देना पड़े तो हम वो भी करेंगे। मायावती के बयान पर प्रियंका गांधी ने तंज कसा। मायावती के प्रेस कांफ्रेंस में दिए गए बयानों का वीडियो ट्वीट करते हुए प्रियंका गांधी ने लिखा कि इसके बाद भी कुछ बाकी है? मायावती बिहार में भी एक अलग मोर्चा बनाकर लड़ रही हैं।

यूपी एमएलसी चुनाव में सपा को हराने के लिए बीजेपी को समर्थन करेंगी मायावती!

राज्यसभा चुनाव में हुई राजनीतिक घटनाक्रम के चलते बसपा प्रमुख मायावती ने सपा के खिलाफ आक्रमक तेवर अपना लिए हैं. मायावती ने सूबे के एमएलसी चुनाव में सपा को हराने के लिए बीजेपी को समर्थन करने की बात तक कह दी है. इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि सपा को यह हरकत भारी पड़ेगी.

लखनऊ। राज्यसभा चुनाव में बसपा प्रत्याशी रामजी गौतम के खिलाफ सपा के समर्थन से उतरे प्रकाश बजाज का पर्चा खारिज हो गया है, लेकिन जिस तरह से बसपा विधायकों ने अखिलेश यादव से मुलाकात कर बागी रुख अपनाया है. इस राजनीतिक घटनाक्रम के चलते बसपा प्रमुख मायावती ने सपा के खिलाफ आक्रमक तेवर अपना लिया है. मायावती ने सूबे के एमएलसी चुनाव में सपा को हराने के लिए बीजेपी को समर्थन करने की बात तक कह दी है. मायावती ने कहा कि एमएलसी के चुनाव में बसपा जैसे को तैसा का जवाब देने के लिए पूरी ताकत लगा देगी. बीजेपी को वोट देना पड़ेगा तो भी देंगे, लेकिन एमएलसी के चुनाव में सपा के उम्मीदवार को हराने के लिए पूरा जोर लगाएंगे. मायावती ने कहा कि हमारे सात विधायकों को तोड़ा गया है. सपा को यह हरकत भारी पड़ेगी.

बता दें कि उत्तर प्रदेश में 11 विधान परिषद सीटें अगले साल जनवरी में रिक्त हो रही है. इनमें से छह सीटों पर सपा जबकि दो सीटें पर बसपा और तीन सीटों पर बीजेपी के सदस्य हैं. यूपी के मौजूदा विधायकों की संख्या के आधार पर 11 विधान परिषद सीटों में से बीजेपी 8 से 9 सीटें जीतने की स्थिति में है. वहीं, सपा की एक सीट पर जीत तय है और दूसरी सीट से उसे निर्दलीय सहित अन्य दलों के समर्थन की

जरूरत होगी. 2018 में हुई विधान परिषद के चुनाव में सपा ने अपनी एक सीट जीतने के साथ-साथ बसपा के भीमराव अंबेडकर को समर्थन देकर एमएलसी बनवाया था, लेकिन इस बार सपा और बसपा के रिश्ते बिगड़ गए हैं. ऐसे में मायावती ने साफ कर दिया है कि दिसंबर में होने वाले एमएलसी चुनाव में सपा को हराने के लिए बीजेपी को समर्थन कर सकती हैं. हालांकि, बसपा विधायकों ने जिस तरह से बागी रूख अपनाया हुआ है, वैसे में पार्टी के साथ महज से 7 से 8 विधायक ही हैं.

बीएसपी ने बागी रुख अपना वाले विधायक असलम राइनी (भिनगा-श्रावस्ती), असलम अली (ढोलाना-हापुड़), मुजतबा सिद्दीकी (प्रतापपुर-इलाहाबाद), हाकिम लाल बिंद (हांडिया- प्रयागराज) , हरगोविंद भार्गव (सिधौली-सीतापुर), सुषमा पटेल(मुंगरा बादशाहपुर) और वंदना सिंह -(सगड़ी-आजमगढ़) को पार्टी से निलंबित कर दिया है. इतना ही नहीं उनकी सदस्यता को सामाप्त करन के लिए विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखने की बात भी मायावती ने कही है. बीएसएपी अध्यक्ष ने कहा कि सपा अपने परिवार की लड़ाई के चलते, बसपा के साथ गठबंधन का सियासी लाभ नहीं ले सकी. लोकसभा चुनाव के बाद सपा ने बातचीत करना बंद कर दिया था. इस वजह से हमने भी समाजवादी पार्टी से दूरी बना ली. मायावती ने कहा कि राज्यसभा चुनाव को लेकर सतीश चंद्र मिश्र ने अखिलेश यादव से बात करने की कोशिश की लेकिन फोन नहीं उठा. प्राइवेट सेक्रेटरी ने भी बात नहीं कराई. उन्होंने कहा कि राम गोपाल यादव से बात हुई, उन्होंने सिर्फ एक सीट पर चुनाव लड़ने की बात कही. इस वार्ता के बाद बसपा ने रामजी गौतम को राज्यसभा का प्रत्याशी बनाया, लेकिन सपा ने हमारे सात विधायकों को तोड़ा और उनसे झूठा हलफनामा दिलाया गया. सपा को यह महंगा पड़ेगा. साथ ही मायावती ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर बहुजन समाज के लोगों का अनादर करने का भी आरोप लगाया. मायावती ने कहा कि हम 1995 की घटना को भुलाकर आगे बढ़े. चुनाव में सपा को लाभ नहीं मिला. चुनाव बाद हमने कई बार फोन किया, लेकिन सपा ने फोन नहीं उठाया. 1995 के केस को वापस लेना गलत फैसला था. अभी भी 2 जून 1995 की टीस बकरार है. मायावती ने कहा कि केस वापस लेने के लिए सतीश चंद्र मिश्रा पर दबाव बनाया गया था.

सम्पादकीय

अमेरिकी सहयोग से बढ़ती सुरक्षा

भारत और अमेरिका के बीच मंगलवार को नई दिल्ली में 2 प्लस 2 वार्ता का तीसरा दौर पूरा हुआ। पहली वार्ता 2018 में हुई थी, तो दूसरी 2019 में। कह सकते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में अमेरिका-भारत के संबंधों में जो तीव्र विकास दिखा है, यह वार्ता एक तरह से उसकी अहम कड़ी है। इसलिए दोनों ही पक्ष इसे बहुत अधिक महत्व दे रहे हैं। तीसरी वार्ता पिछली दो वार्ताओं में लिए गए दूरगामी निर्णयों को आगे बढ़ाने और पुख्ता करने में महत्वपूर्ण योगदान करेगी। इस वार्ता का महत्व इसलिए भी है, क्योंकि अभी चीन व भारत के बीच सीमा पर तनाव है और दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने खड़ी हैं। चीन का जो आक्रामक रुख है, उसे दक्षिण चीन सागर और पूर्वी सागर में भी देखा जा सकता है, जहां जापान के साथ भी चीन का तनाव चल रहा है। अमेरिका ने चीन की इस संदर्भ में कड़ी आलोचना भी की है। डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में चीन और अमेरिका के आपसी संबंधों में बहुत गिरावट आई है। दोनों देशों में व्यापार युद्ध चल रहा है। तकनीकी और व्यापार, दोनों ही मोरचों पर दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ चुका है। इसका दूरगामी असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। यह सब कोविड-19 के परिदृश्य में हो रहा है। अमेरिका ने चीन को विश्व में कोरोना वायरस फैलाने के लिए सीधे जिम्मेदार माना है। इस महामारी ने विश्व व्यवस्था पर गहरा असर डाला है। वैश्विक आर्थिक व्यवस्था चरमरा गई है। लाखों लोग मारे गए हैं। इस पूरे परिप्रेक्ष्य में देखें, तो इस तीसरी 2प्लस 2 वार्ता का महत्व बहुत बढ़ जाता है। यानी, इस वार्ता की पृष्ठभूमि में तीन बातें हैं, पहली, चीन-भारत के बीच लद्दाख क्षेत्र में भीषण तनाव, दूसरी, चीन का आक्रामक रुख, और तीसरी, कोविड-19 महामारी का वैश्विक दुष्प्रभाव। भारत और अमेरिका के बीच पिछले कुछ वर्षों में रक्षा सहयोग काफी बढ़ चुका है, खासतौर से वर्ष 2005 के बाद से, जब दोनों देशों के बीच असैन्य परमाणु सहयोग पर सहमति बनी थी। इसके बाद दोनों देशों ने 2006 में एक रक्षा कार्य-ढांचे संबंधी समझौते पर भी हस्ताक्षर किए थे।

माँ के वीर सपूत

भारत माँ के वीर सपूतों इतिहास तुम्हीं से जीवित है
भाल भारती का जो उँचा रनवीरों से गर्वित हो।
रामचंद्र की मर्यादा हो लक्ष्मण से वलधारी हो।
भुजबल भीमसेन सा है तुम अर्जुन से अवतारी हो।
प्रह्लाद समान भक्त हो तुम निज पिता से भी अड़ जाओगे।
धर्म की रक्षा की खातिर तुम अपनों से भिड़ जाओगे।
रण बांकुरे हो अभिमन्यु से रिपु दल से न घबराते हो।
सम्मुख काल लड़े आकर तुम उससे भी लड़ जाते हो।
भूल गये हो क्या तुम वीरों चौहानी कुर्बानी को।
सर संधान करो पृथ्वी सम हनि डारो अफगानी को।
धर्म की खातिर लाल हुई वो कुरुक्षेत्र की माटी है
स्वाभिमान के लिये रक्तमयी हो गई हल्दीघाटी है।

मोहन तोमर (रिठौना)
अम्बाह

शरद पूर्णिमा में करें श्री की प्राप्ति

आप सभी ने अपने जीवन में खीर खाने का आनंद तो अवश्य ही उठाया होगा। और साल में एक ऐसा दिन भी आया होगा, जब पकाई गई खीर को रात भर चंद्रमा की रोशनी में रखने के बाद ही खाया होगा। यह पावन दिवस प्रति वर्ष आश्विन मास की पूर्णिमा को आता है। इस दिन को हम सभी 'शरद पूर्णिमा' या 'कोजागरी व्रत' के नाम से जानते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिवस की चाँदनी से स्निग्ध हुई खीर के औषधीय गुण बहुत बढ़ जाते हैं। इसलिए उसके सेवन से सिर्फ जिह्वा को स्वाद नहीं, अपितु हमारे पूरे शरीर को फायदा पहुंचता है। वैदिक ऋषियों व आचार्यों ने शरद ऋतु की इस पूर्णिमा के अनेक पक्षों पर प्रकाश डाला। आइए, हम उन सभी पक्षों से परिचित होते हैं, ताकि इस पर्व का पूरा लाभ व आनंद पा सकें।

'पित्त-शामक' शरद पूर्णिमा

सदियों से इस पर्व के दिन खीर, पोहा (चिवड़ा) व मुरमुरे खाने की प्रथा रही है। इन सभी को चंद्रमा की रोशनी में भीगने के लिए रात भर छोड़ दिया जाता है। फिर अगली सुबह ही इनका सेवन करने की रीत है। इस पर्व को सिर्फ पारिवारिक स्तर पर ही नहीं मनाया जाता। बल्कि जन-कल्याण हेतु इस दिन कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ विशेष शिविरों का आयोजन करती हैं। इन शिविरों में प्रतिभागियों को चाँदनी में भीगी खीर के साथ आयुर्वेदिक दवाइयों का सेवन कराया जाता है। इससे पुरानी खाँसी, दमा, जुकाम के रोगियों को काफी राहत मिलती है। शरद ऋतु में अक्सर 'पित्त' का स्तर 'वात' और 'कफ' की तुलना में बढ़ जाता है। पित्त की इस असंतुलित बढ़ी मात्रा को एलोपैथी में 'स्ट्रांग मेटाबॉलिज़्म' से जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार इसको शांत करने का उपाय ठंडी तासीर के खाद्य पदार्थों का सेवन होता है। ऋषि-मुनियों ने इसी तथ्य को ध्यान में रखकर

शरद पूर्णिमा के दिन खीर खाने की प्रथा बनाई ताकि शरीर में इन तीनों ऊर्जाओं की मात्रा संतुलित रहे और हम पूर्ण रूप से स्वस्थ रहें। भारतीय पुराणों में चंद्रमा को 'सोम' अर्थात? 'पौधों-वनस्पतियों का देव' माना गया है। शरद पूर्णिमा के दिन चाँद अन्य दिनों की तुलना में धरती के ज़्यादा नजदीक होता है। तो जाहिर सी बात है कि इस दिन चाँद की किरणों का प्रभाव भी खाद्य पदार्थों पर ज़्यादा और गहरा होता होगा। ऐसे में, खीर को चाँद की रोशनी में, मिट्टी के पात्रों में पकाने पर खीर की औषधीय गुणवत्ता का अधिक हो जाना स्वाभाविक ही है। 'साधारण' खीर से 'बहुमूल्य औषधि' में परिवर्तित हुई यह खीर इंसान के शरीर को सर्दी के मौसम में होने वाली बीमारियों से लड़ने के लिए तैयार तो करती ही है; साथ ही, ऐसी खीर के साथ विशेष रूप से निर्मित आयुर्वेदिक दवाई लेने पर कई पुरानी बीमारियों का इलाज होना भी संभव होता है।

'ध्यान-अनुकूल' शरद पूर्णिमा

पूर्णमासी के दिन धरती पर चाँद की ऊर्जा का प्रवाह तीव्र और औसत से अधिक होता है। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए कई शोध बताते हैं कि हमारे मस्तिष्क में जो 'पीनियल ग्लैंड' है, वह इस विद्युत-चुंबकीय ऊर्जा के प्रति संवेदनशील होता है। विद्युत-चुंबकीय ऊर्जा के प्रभाव से पीनियल ग्लैंड से होने वाले मेलाटोनिन के स्राव में कमी आती है। इस बात की पुष्टि बेसल विश्वविद्यालय (स्विटज़रलैंड) के मनोरोग चिकित्सा विभाग ने भी की। इस शोध से यह बात प्रमाणित हुई कि पूनो के चाँद वाली रात मेलाटोनिन का स्राव कम होने से नींद कम और कच्ची आती है। ब्रह्मज्ञानी साधक इस स्थिति का पूरा लाभ उठा सकते हैं। रात-भर ध्यान में लीन रहकर अपना आत्मिक उत्थान कर सकते हैं। शरद पूर्णिमा की रात्रि आह्वान करती है- 'हे साधकों! यह रात्रि साधारण नहीं। जागने की रात है! बाहरी आँखें खोलकर नहीं, अपितु भीतरी नेत्र खोलकर!'

'श्री-प्रदात्री' शरद पूर्णिमा

शरद पूर्णिमा का एक नाम 'कोजागरी पूजा' भी है। यह संस्कृत उक्ति 'को जागृति' का अपभ्रंश है, जिसका अर्थ हुआ 'कौन जाग रहा है?' भारतीय पुराणों के अनुसार पूनो की इस रात्रि को जो भी साधक ब्रह्मज्ञान की ध्यान-साधना करते हुए जागृत रहते हैं, उनको माँ लक्ष्मी आध्यात्मिक एवं भौतिक 'श्री' का वरदान देती हैं। मद, लोभ, ईर्ष्या, काम, क्रोध आदि सर्प-रूपी वृत्तियाँ निरंतर हमारे विचारों के वन में अपने फन फैलाए बैठी रहती हैं। इनके खेल में मानव ऐसा लिप्त होता है कि अपनी आत्मा की भूख-प्यास को बिसार देता है। फिर उनके समक्ष सब कुछ हार जाता है। पर तब भी यदि वह सच्चे हृदय से प्रभु को पुकार ले, तो शरद पूर्णिमा का ऐसा प्रताप है कि परम करुणामयी ईश्वर शीघ्र ही उस पर दया कर देंगे। तृण-भर प्रयास से ही प्रसन्न होकर उसे 'श्री' की प्राप्ति करवा देंगे। 'श्री' अर्थात आध्यात्मिक एवं भौतिक सम्पन्नता। साधकों! शरद पूर्णिमा से जुड़े शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक पक्षों को तो आपने जान लिया। अब बारी है, उनको अपने जीवन में क्रियान्वित करने की। आशा करते हैं कि आप सबको भी माँ लक्ष्मी से इस दिन 'श्री' की प्राप्ति हो।

गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी
(संस्थापक एवं संचालक, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान)

व्यंग्य-बगावत के बादशाह

भई चुनावी बयार में तो अच्छे-अच्छे बहक जाते हैं हम तो पहले से ही बगावती बादशाह हैं शुभचिंतक तो जनता के ही है ना, कुर्सी तो एक बहाना है जिसके द्वारा हम नेतृत्व का सिंहासन करते हैं 7 खैर चुनावी बिगुल बज चुका है कौन-कौन बगावत करेगा और कौन-कौन अंतिम सांस तक साथिया वाला साथ निभाएगा सियासत का चुनावी सात्विक ड्रामे की पटकथा,संवाद, किरदार ,पार्टी तथा वेशभूषा इत्यादि निठ्ठलो कि कार्मिक पूजनीय एक्टिंग कहां तक जनता को वोटिंग के लिए पटियाती है, यह तो हमारी यह बगावती पहचान ही बता देगी खैर जब बगावतीपन का बुखार चढ़ जाता है तो जनता की गर्म-ठंडे पानी वाली वोट पट्टी उसे ही उतरता है तथाकथित चुनावी मैदान में मुंह बोले भैया-भौजी,दादा-दादी-दादी दूर से ही पाएं लागी के बाद ये ठीक चुनावी मैदान में ही जनता के शुभ चिंतक नजर आते हैं जब पर्सनल पे आँच आई तो एक बात समझ लेना चाहिए कि अब भला होने वाला है परंतु किसका नई सोच नए इरादे है ठिकाने वाली स्थाई कुर्सी के चारों कोनों का किसी भी तरह हमारे ही होना चाहिये यह चुनावी बगावत दल-बदलवा बाण चढ़ चुका है कौन-कौन टेन ऑफ टेन के बीचो-बीच निशाना लगाकर सियासत की टॉप टेन में जगह पक्की करता है यहां कार्यालय सदस्यता की चहल-पहल बता देगी कि निशाना, नामांकित प्रत्याशी जो कुछ हो ड्रामा के सच्चे एक्टर,डायरेक्टर और प्रोड्यूसर जनता के कामों के लिए तुम ही हो जिससे सियासत की बादशाहत मिली और हम जनता को स्वाभिमानी नेता जो जनता की कुर्सी के खातिर बागवती पहचान आज यहाँ तो कल वहां हम तो हम हैं प्यारे नेता तुम्हारे अपने शुभ चिंतक ।

कवि कुमार प्रिंस रस्तोगी
लखनऊ उप्र

कोरोना और मदिरा

मुझे तो कोरोना वायरस और मदिरा भाई-बहन लगते हैं। क्योंकि दोनों ही शरीर में जाकर अपना रंग दिखाने लगते हैं। कोरोना वायरस बहुत ही शातिर बदमाश है। शरीर में चुपके से घुस जाता है और कई दिन तक तो अपना पता तक नहीं चलने देता कि वह शरीर के अंदर घुसा बैठा है। चुपके-चुपके अपना साम्राज्य बढ़ाता जाता है और फिर यह परजीवी, स्वजीवी बन जाता है। स्वयं जिंदा रहता है और जिस शरीर में घुसता है उसे समाप्त कर देता है। मदिरा तो पीने वाले के भीतर घुसते ही उसके शरीर पर अपना अधिकार कर लेती है और अपना रंग भी दिखाने लगती है। इसे पीकर कई लोग मस्ती में झूम उठते हैं और कई तो नाली में लोटते हुए भी दिखाई देते हैं। तब एक मनुष्य और शूकर प्रजाति के जीव का भेदभाव बिल्कुल समाप्त हो जाता है। ये दोनों ही मनुष्य जाति के दुश्मन हैं अंतर केवल इतना है कि कोरोना आदमी को जल्दी मार देता है और मदिरा धीरे-धीरे। पर कोरोना को कोई अपनाना नहीं चाहता जबकि मदिरा को पाने के लिए उसके तलबगार व्याकुल रहते हैं। कोरोना ने पूरी दुनिया में अपना एकछत्र राज्य स्थापित करके मदिरा के तलबगारों को मदिरापान से वंचित कर दिया था। गरीब आदमी एक- एक रोटी को तरस गया, दान-पुण्य की बाढ़ सी आ गई। व्यक्तिगत रूप से लोग और अनेक सामाजिक संस्थाएं गरीबों की भोजन व्यवस्था में जुट गए। ऐसे संकट काल में एक मध्यमवर्गीय को जहां अपना घर चलाना भी मुश्किल होता है, फिर भी देश, समाज और विश्व के प्रति अपने प्रेम भाव के कारण वह आधा पेट रहकर भी अपने गरीब देशवासियों की सेवा में जुट गया। ऐसा लगने लगा मानो अब देशवासियों को रोटी के सिवा और कुछ नहीं चाहिए। मैं मन ही मन खुश हो रही थी कि चलो इसी बहाने लोगों को बुरी लतों से छुटकारा मिल जाएगा। किंतु मेरी इस खुशी पर तब घड़ों पानी पड़ गया जब मैंने यह खबर पढ़ी कि सरकार अब मदिरालयों को खोलने वाली है। फिर भी मैंने सोचा कौन मूर्ख होगा जो इस संकट की घड़ी में भी मदिरापान करने की सोचेगा। पर मदिरालय खुलते ही टीवी पर जो अटूट भीड़ देखने को मिली, उससे लगा कि हमारे देशवासियों को न तो कोरोना का कोई भय है, न उनके पास पैसे की कोई कमी है। वे अपनी इस तलब को मिटाने के लिए, अपने सारे पैसे और अपनी जान तक लुटा देने को तत्पर हैं। लॉकडाउन और फिजिकल डिस्टेंसिंग होने से कोरोना लोगों को अपनी चपेट में नहीं ले पा रहा था, इसलिए उसने अपनी बहन को बुलाने का निर्णय किया। अब मदिरा ने आकर फिजिकल डिस्टेंसिंग और लॉक डाउन की ऐसी-तैसी कर दी। वैसे भी सोचने वाली बात है कि मदिरापान करके उन्मत्त हुआ व्यक्ति भला क्या फिजिकल डिस्टेंसिंग रखेगा उसको तो स्वयं का ही होश नहीं रहेगा। लगता है मानो गरीब देशवासियों की रोटियों की व्यवस्था यह मदिरा ही करेगी। कोरोना भी आज बड़ा खुश है कि उसकी बहन उसकी मदद करने के लिए चली आई है और अब उसे एक शरीर से दूसरे शरीर में जाने में कोई बाधा नहीं होगी। दोनों भाई-बहन मिलकर जल्दी ही मनुष्य जाति का सफाया करने में सफल होंगे।

रंजना मिश्रा
कानपुर, उत्तर प्रदेश

(सरदार पटेल के जन्मदिवस 31 अक्तूबर पर विशेष)

भारत निर्माण में सरदार की भूमिका अहम

प्रभुनाथ शुक्ल

सरदार वल्लभ भाई पटेल का व्यक्तित्व आधुनिक भारत का राष्ट्रवादी चेहरा है। जब हम भारत की बात करते हैं तो इतिहास का अध्ययन सरदार के बगैर अधूरा है। सरदार शब्द स्वयं में विराट और सम्पूर्णता का द्योतक है। भारत के ग्रामीण इलाकों में सरदार शब्द प्रमुखता से आता है। सरदार का मतलब घर का मालिक यानी एक भरोसेमंद पुरुषत्व का महानायक। एक ऐसा नायक जिसकी उपलब्धता यह सुनिश्चित करती है कि अगर घर में सरदार मौजूद है तो उसकी सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं है। राष्ट्रवाद के संदर्भ में उसी तरह सरदार पटेल को देखा जाता था। उनके नेतृत्व पर लोगों को खुद से अधिक विश्वास था। लेकिन आधुनिक भारतीय राजनीति और उसके दर्शन में पटेल विभाजित हो गए हैं। अवसरवादी और सत्ता सुलभ राजनीति ने सरदार के व्यक्तित्व को बेहद कम आँकने की भूल की है। राष्ट्रवाद उनमें कूट- कूट कर भरा था जिसकी वजह से उन्हें %सरदार% की उपाधि मिली। स्वाधीन भारत की काँग्रेस सरकार में उन्होंने उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री के रूप में काम किया।

सरदार वल्लभभाई झावेरभाई पटेल का जन्म 31 अक्तूबर 1875 को गुजरात प्रांत के नडियाद में पाटीदार परिवार में हुआ था। पटेल अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माँ लाडबा की चौथी संतान थे। उनकी शिक्षा मुख्यतः स्वाध्याय से हुई। लन्दन जाकर उन्होंने वकालत की शिक्षा ग्रहण किया। अहमदाबाद की अदालत में उन्होंने कालीकोट पहन कर प्रैक्टिस भी किया। लेकिन उनका मन वकालत में नहीं लगा। देश उस दौर में स्वाधीनता आंदोलन की आँच में गर्म था। अँग्रेजी हुकूमत से देश लड़ रहा था। गाँधीजी स्वाधीनता आंदोलन में अहम भूमिका निभा रहे थे। उनके विचार युवाओं को काफी प्रभावित कर रहे थे। आखिरकार गाँधीजी के विचार से प्रभावित होकर पटेल स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े। सरदार पटेल का सबसे बड़ा योगदान 1918 में गुजरात के खेडा संघर्ष में हुआ। किसान सूखे की चपेट में थे। अंग्रेजी हुकूमत से लगान में छूट की मांग कर रहे थे, लेकिन अँगरेज़ यानी गोरों की सरकार इस मांग को नहीं मान रही थीं। पटेल गांधीजी और दूसरे नेताओं के साथ मिलकर इस किसानों की मांग का मुखर समर्थन किया। किसानों से लगान न जमा करने के लिए प्रेरित किया। बारडोली सत्याग्रह के बाद पटेल की छबि पूरे देश में अलग रूप से निखरी। उन्हीं की मुखरता की वजह से न्यायिक अधिकारी ब्लूमफील्ड और राजस्व अधिकारी मैक्सवेल को 22 फीसदी लगान वृद्धि को वापस लेना पड़ा। जिसकी वजह से बारडोली सत्याग्रह में किसानों की जीत हुई। इसी वजह से पटेल का नाम सीधे बारडोली सत्याग्रह से जुड़ गया। गुजरात के एक दूसरे बड़े किसान आंदोलन में सत्यागह सफल होने पर वहां की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि प्रदान किया। पूरे गुजरात में किसान आंदोलन में पटेल की सशक्त भूमिका पर महात्मा गाँधी ने कहा था कि इस तरह का हर संघर्ष, हर कोशिश हमें स्वराज के करीब पहुंचा रही है। भारतीय राजनीति के इतिहास में राजशाही यानी सामंती व्यवस्था ख़त्म करने में सरदार पटेल का योगदान अहम था। गृहमंत्री के रूप में उनकी पहली प्राथमिकता रजवाडे ख़त्म करना था। वह सामंती शासन व्यवस्था के खिलाफ थे। जिसकी वजह से देशी रियासतों का भारत संघ में विलय उनका मुख्य लक्ष्य था। इसीलिए उन्हें भारत का लौहपुरुष कहा जाता है। भारत का प्रचीन इतिहास लिखने वाले तीन रूसी लेखकों अन्तोनोवा, बोगर्द लेविन और कोतोव्स्की ने लिखा है कि भारत में रियासतों के एकीकरण के लिए 1947 में एक विशेष मंत्रालय गठित किया गया जिसकी जिम्मेदारी पटेल को दी गई। यह भी लिखा गया है कि राज्यों के विलय के लिए राजाओं को 5.6 करोड़ की राजकीय पेंशन भी दी गई। भारत में अँग्रेजी शासनकाल में कुल 601 देशी राज्य थे जिसमें 555 का विलय किया गया। लेकिन कुछ रियासतों को मिली विशेष सुविधाओं ने एकीकरण में समस्या खड़ी किया। जिसमें हैदराबाद, कश्मीर , जूनागढ़ और मैसूर थे। भारत संघ के साथ रियासतों के समझौते में 50 से लेकर 26 लाख तक सालाना पेंशन देशी रियासतों को देनी पड़ती थीं। राज्यों को विशेष सुविधाएं भी मिलती थीं। निजाम हैदराबाद, कश्मीर को बाद में शामिल किया गया। हैदराबाद रियासत के विलय के लिए सेना तक भेजनी पड़ी। क्योंकि निजाम हैदराबाद और जूनागढ़ पाकिस्तान और अँग्रेजी हुकूमत से मिल कर वह विलय प्रस्ताव नहीं स्वीकार करना चाहते थे। जूनागढ़ ने तो बाकायदा पाकिस्तान में विलय की घोषणा कर दिया था। लेकिन सरदार के सामने एक न चली अंततः हैदराबाद और जूनागढ़ में सेना भेज कर सरदार पटेल ने इन देशी राज्यों को भारतीय संघ में मिला लिया। जबकि राजाओं को भागकर अपनी प्राण रक्षा करनी पड़ी। भारत संघ में राज्यों को विलय को लेकर पटेल की नीति साफ थीं। उन्होंने हैदराबाद, मैसूर और जूनागढ़ के विरोध को कुचल कर एकीकरण किया। जबकि नेहरू को यह नीति पसंद नहीं आयीं और कश्मीर मसले को अपने पास रख लिया। गाँधी भी पटेल की उभरती तागत और चुनौती भरे फैसलों से हतप्रभ थे। पटेल कहते थे मैंने कला या विज्ञान के विशाल गगन में ऊंची उड़ानें नहीं भरीं। मेरा विकास कच्ची झोपड़ियों में गरीब किसान के खेतों की भूमि और शहरों के गंदे मकानों में हुआ है। पटेल राष्ट्रवादी चिंतक थे जबकि नेहरू का नज़रिया वैश्विक था वह देश में इस तरह का कोई कार्य नहीं होने देना चाहते थे जिससे दुनिया में भारत की छबि आलोचना की शिकार बने। देशी रियासतों के भारत संघ में विलय के सवाल पर गाँधी ने पटेल के बारे में लिखा था रियासतों की समस्या इतनी जटिल थी जिसे केवल तुम ही हल कर सकते थे। पंडित नेहरू ने कभी हिंदी- चीनी भाई- भाई का नारा दिया था। जबकि दूरदर्शी पटेल 1950 में नेहरू को लिखे एक पत्र में चीन तथा उसकी तिब्बत नीति से सावधान रहने चेतावनी दी थीं। पटेल चीन को भारत का सबसे बड़ा दुश्मन मानते थे लेकिन नेहरू ने इस बात पर गौर नहीं किया और आज भारत उसी समस्या को झेल रहा है। चीन के साथ युद्ध के हालात बने हैं। पटेल ने पाकिस्तान से भी आगाह रहने को कहा था। लंदन टाइम्स ने पटेल के लिए लिखा था बिस्मार्क की सफलताएं पटेल के सामने महत्वहीन रह जाती हैं। मतलब साफ है यदि पटेल के कहने पर हम चलते तो कश्मीर, चीन, तिब्बत व नेपाल हमें आँख दिखाने की हिम्मत न जुटा पाते। भारत के पहले राष्ट्रपति डा.राजेंद्र प्रसाद ने कहा था आज भारत जो कुछ भी है, उसमें सरदार पटेल का बहुत योगदान है, लेकिन इसके बावजूद हम उनकी उपेक्षा करते हैं। भारत निर्माण में हम पटेल की राष्ट्रवादी नीति को नहीं भूला सकते हैं।

समाप्त
स्वतंत्र लेखक और पत्रकार

ग़ज़ल-गुजर जाने दो

वफादारी का दौर गुजर गया गुजर जाने दो,जमीर
कौड़ियों के भाव बिक गया भीग जाने दो ।।
वक्त के साथ परिंदे घर बदल देते हैं,सरकारे
बदलती है बदल जाने को।।
एक दिन सबको खाक होना है,
कोई वक्त के पहले मर गया मर जाने दो।।
नाव के छेद गिने कौन साहिल,बारी बारी सब
कूद गए चले जाने दो।।
कभी फुर्सत में सोचना खता कहां हुई,यह भी एक दौर है गुजर जाने दो।।

कमल राठौर साहिल
शिवपुर मध्य प्रदेश

भारत माँ के वीर सपूतों इतिहास तुम्हीं से जीवित है

भाल भारती का जो उँचा रनवीरों से गर्वित हो।
रामचंद्र की मर्यादो हो लक्ष्मण से वलधारी हो।
भुजबल भीमसेन सा है तुम अर्जुन से अवतारी हो।
प्रह्लाद समान भक्त हो तुम निज पिता से भी अड़ जाओगे।
धर्म की रक्षा की खातिर तुम अपनों से भिड़ जाओगे।
रण बांकुरे हो अभिमन्यु से रिपु दल से न घबराते हो।
सम्मुख काल लड़े आकर तुम उससे भी लड़ जाते हो।
भूल गये हो क्या तुम वीरों चौहानी कुर्बानी को।
सर संधान करो पृथ्वी सम हनि डारो अफगानी को।
धर्म की खातिर लाल हुई वो कुरुक्षेत्र की माटी है
स्वाभिमान के लिये रक्तमयी हो गई हल्दीघाटी है।

मोहन तोमर (रिठौना), अम्बाह

शीर्षक - माँ सिध्दीदात्री

माँ के आरती सजा कर हम चले,
नारियल, अगरबत्ती और रोली चंदन।
सजा दरवार लाल चुनरियों से माँ की,
भवानी के चरणों में मेरा चरण वंदन।।
सिध्दी दात्री के कृपा से भक्त जनो को,
माता की सभी सिध्दियाँ प्राप्त होती है।
नवमी के महा आरती करने से भक्तो को,
भक्त जनो को सुख, संपत्ति प्राप्त होती है।।
माता शेरा वाली की नवम रूप है सिद्ध दात्री,
कहते माँ दुर्गा को सिध्दियों की दात्री।
अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा प्राप्त होती।
दुर्गा की नौ रूपो की पूजा होती है नवरात्रि।।
माँ सिंहवाहनी की अन्तिम स्वरुप के साथ,
नवरात्रि के अनुष्ठान समापन हो जाता है।
माँ की पूजा, आरती धूम -धाम से मनाते है,
इसी दिन को राम नवमी कहा जाता है।।
सिध्द दात्री के दीपक जले जिस घर में ,
सुख, शांति, यश और समृध्दि प्राप्त

होती है।
माँ की आठ सिध्दियाँ प्राप्त हो जाती है,
माँ की उपासना से भक्तो को मोक्ष प्राप्त होती है।।

टीप- मेरा यह रचना मौलिक, अप्रकाशित एवंअप्रसारित है।

स्वरचित कविता
देबीदीन चन्द्वँशी
ग्राम- बेलगवाँ
तह0 पुष्पराजगढ़
जिला अनूपपुर

सब्जियों में घुलता जहर

सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है, बाजार में हरी पत्तेदार सब्जियों की आवक बढ़ने लगी है। सर्दी का मौसम सेहत के लिहाज से खास होता है किंतु क्या आप जानते हैं कि मुनाफे के चक्कर में सब्जियों और फलों में केमिकल रूपी जहर भरा जा रहा है। फलों को जल्दी पकाने के लिए एवं सब्जियों को बेहतर दिखाने के लिए रसायनों का जमकर प्रयोग किया जा रहा है जो कि स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। इन केमिकल्स से लोग गंभीर रोगों के शिकार हो रहे हैं। भारत एक कृषि प्रधान देश है यहां हजारों वर्षों से प्राकृतिक वातावरण में फल और सब्जियां उगाई जाती हैं, सबसे अच्छी जलवायु हमारे देश की है, पर्याप्त मात्रा में फसल, फल और सब्जियों की पैदावार होती है तो फिर क्यों हम फलों और सब्जियों में जहर छिड़क रहे हैं। भारत की फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी (स्रस्स्ह्र) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत के बड़े-बड़े शहरों में बिकने वाली सब्जियों में 2त्नसे लेकर 25त्न सब्जियां जहरीली है, इनमें मध्य प्रदेश सबसे आगे हैं, यहां 25प्रतिशत सब्जियां इस जांच में फेल हो गईं। देश व्यापी जांच से पता चला है कि बाजार में बिकने वाली 9त्न सब्जियां खाने योग्य नहीं है, इनमें लेड,कैडमियम , आर्सेनिक जैसे हानिकारक केमिकल तत्व तय सीमा से दो से 3 गुना अधिक पाए गए हैं। जांच के दौरान देश को 5 जोन में बांटा गया जिसमें मध्य प्रदेश की स्थिति सबसे ज्यादा खराब पाई गई। इस जांच में सिर्फ साउथ जोन से लिए गए सभी नमूने जांच में पास हुए, मतलब दक्षिण भारत की सब्जियां केमिकल मुक्त हैं,खाने योग्य हैं। शेष राज्यों में फलों और सब्जियों में तय सीमा से अधिक हानिकारक केमिकल पाए गए। अब सवाल यह उठता है कि जब फल और सब्जियां भी जहरीली हैं तो हम खाए क्या? और यह मिलावट पूरे देश में चल रही है तो ग्राहक क्या करें, कैसे चेक करें कि किस सब्जी में केमिकल है और किस में नहीं। स्थिति यह है कि हम पैसा देकर जहर खरीद रहे हैं। क्यों बांट रहे हैं हम जहर जबकि देश में पर्याप्त मात्रा में सब्जियां उगाई जाती हैं। यह सभी जानते हैं कि हानिकारक केमिकल तत्व कितने खतरनाक हैं ,इनका सीधा असर किडनी पर पड़ता है, आज भारत में जो बीमारियां फैल रही हैं जिसमें कैंसर सबसे अधिक घातक होता जा रहा है इसकी वजह ये जहरीले फल और सब्जियां ही हैं। सरकार चाहे तो इस पर रोक लगा सकती है, उत्पादन कर्ता की भी अपनी जिम्मेदारी है कि वह इन जहरीले केमिकल्स का प्रयोग ना करें, यह जिम्मेदारी सभी की है, सभी को जागरूक होना जरूरी है।

रश्मि मिश्रा रश्मि
भोपाल (म.प्र.)

बेटी या दुर्भाग्य ....?

समय की पराकष्ठा का कोई मूल नहीं, जहां स्त्री को बहुत ही इज़्ज़त दी जाती है,वहीं स्त्री को पैरों तले कुचल भी दिया जाता है। वह कहावत सिद्ध बैठती है ,जिसमें किसी लेखक ने यह कहा था कि इंसान धरती का ऐसा जानवर है जिसपर कभी विश्वास नहीं किया जा सकता उसने हर किसी से धोखा ही किया है और जैसा कि प्राकृतिक नियम है की कर्मा किसी को भी नहीं बख्शता ,वह सिद्ध होकर ही रहती है ,यदि मानव जाति ने सामाजिक रहने का विकल्प चुन ही लिया था तो उसमें पुरुष ही प्रधान क्यों है ? स्त्रियों पर आये दिन अत्त्याचारों से लगता है जैसे स्त्री जाति में जन्म लेना बहुत ही दुर्भाग्य की बात है,स्त्री पूजन के लिए सब आगे रहते हैं,परंन्तु उनका साथ देने में कोई आगे नहीं आता यदि हक़ की बात आती है तो उनको सिवाय प्रताड़ना के कुछ भी नसीब नहीं होता,सामाजिक व्यक्तियों का सुझाव है कि स्त्रियों को बन्द कमरे में ही रहना चाहिए । क्या ऐसा नहीं हो सकता जिसकी नियत में खोट हो वह बन्द रहे ,स्त्री घूंघट में क्यों ? पुरूष आंख बंद करके क्यों नहीं चल सकते । आये दिन घिनोनी वारदातें होती रहती हैं नेताओं की चापलूसी करने वालो की तो बहारें आ जाती है। उत्तर प्रदेश के ही लाल टोपी वाले नेता जी ने हाथरस कांड में दोषियों से सहानुभूति जताते हुए यह कहा कि गलतियां तो हो जाती हैं,लगता है नेताजी जी कर्मा शब्द से वाकिफ नहीं है ऐसा ही खिलवाड़ प्रकृति के साथ किया जा रहा है जिसके भुगतान में मानव जाति को सिवाय विलुप्त होने के कुछ भी नसीब नहीं होगा । प्रकृति को मां का दर्जा भी दिया हुआ है और प्रताड़ित भी उसी को किया जाता है । मानवों का यह दुर्व्यवहार प्रकृति और स्त्री के साथ अन्याय दोनों ही उसको ज़हरीली आग में झुलसने के लिए मजबूर कर देंगे ।अब भी सुधरने से मानव जाति खुद को विलुप्त होने से बचा सकती है।

पल्लवी राहुल
(ज़िला-इटावा)

गुजराती फिल्मों के सुपरस्टार नरेश का 77 साल की उम्र में कोरोना से निधन

अभिनेता से नेता बने नरेश कनोडिया का अहमदाबाद में निधन हो गया। उन्हें 20 अक्टूबर को कोरोना संक्रमण के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह 77 वर्ष के थे। नरेश कनोडिया गुजराती फिल्मों के सुपरस्टार थे। नरेश के निधन के बाद गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर छा गई है। उनके निधन पर गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने ट्वीट कर शोक व्यक्त किया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके निधन पर दुख जाहिर किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट-'दो दिनों की अवधि में, हमने महेशभाई और नरेशभाई कनोडिया दोनों को खो दिया है। संस्कृति की दुनिया में उनके योगदान, विशेष रूप से गुजराती गीतों, संगीत और रंगमंच को लोकप्रिय बनाना कभी नहीं भूला जाएगा। उन्होंने समाज की सेवा करने और दलितों को सशक्त बनाने के लिए भी कड़ी मेहनत की। नरेश कनोडिया ने 70, 80 और 90 के

दशक में गुजराती फिल्मों में काम किया था। उन्होंने हिंदी फिल्म छोटा आदमी में भी काम किया था। नरेश कनोडिया ने 300 से अधिक गुजराती फिल्मों में काम किया और 2012 में उन्हें दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया था। दो दिन पहले 83 वर्ष की आयु में नरेश के बड़े भाई महेश कनोडिया का बीमारी की वजह से निधन हो गया था। दोनों की जोड़ी गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में महेश-नरेश के नाम से फेमस थी। महेश कनोडिया गुजराती फिल्मों में संगीत और गीतकार थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते नरेश कनोडिया को भाजपा में शामिल कर विधानसभा का टिकट दिया था। नरेश कनोडिया का बेटा हितु कनोडिया भी गुजरात फिल्मों का सुपरस्टार होने के साथ-साथ बीजेपी की ईडर सीट से विधायक भी हैं। महेश व नरेश कनोडिया के आखिरी मिलन के वक्त दोनों एक गीत तेरे बिना जीना कहां गाते नजर आए। इस वीडियो को उनके पुत्र हितु ने सोमवार को ही सोशल मीडिया पर जारी किया था।

अर्जुन कपूर को लेकर शाहरुख बनाएंगे फिल्म

शाहरुख खान इस दिनों अभिनय से भले ही दूर हैं, लेकिन उनका प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट पूरी तरह सक्रिय हैं। शाहरुख खान के बैनर एक नई फिल्म बनने वाली है जो रियल लाइफ स्टोरी पर आधारित होगी। हाल ही में अर्जुन कपूर ने शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ एक क्राइम ड्रामा के लिए सहयोग किया है।

यह फिल्म 2018 में हुए मुजफ्फरपुर कांड पर आधारित होगी। फिल्म का नाम धमाका होगा। हालांकि यह अस्थाई है और वक्त आने पर फिल्म का नाम बदला भी जा सकता है। शाहरुख द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन पुलकित करेंगे, जिन्होंने बोसः डेड ऑर अलाइव जैसी चर्चित सीरिज बनाई थी। इस थ्रिलर फिल्म में अर्जुन कपूर जांच अधिकारी की भूमिका निभाएंगे।

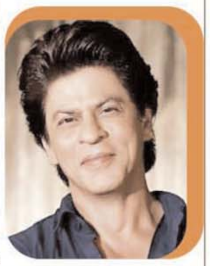

फिल्म फरवरी 2021 में फर्श पर जाने की उम्मीद है। इस बीच शाहरुख खान की प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए भी कंटेंट बनाने में व्यस्त है। वहीं अभिषेक बच्चन की फिल्म बॉब बिस्वास का निर्माण रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले हो रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्जुन कपूर अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के साथ एक क्रॉस बॉर्डर लव स्टोरी में नजर आएंगे। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है और इन दिनों फिल्म की शूटिंग चल रही है। इसके अलावा अर्जुन कपूर अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ फिल्म संदीप और पिंकी फरार में नजर आएंगे। वहीं बतौर अभिनेता शाहरुख खान की अगली फिल्म पर अभी रहस्य बरकरार है। कहा जा रहा कि वह फिल्म पठान में नजर आएंगे। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। बतौर अभिनेता शाहरुख खान आखिरी बार 2018 में फिल्म जीरो में नजर आए थे।

भोजपुरी सिंगर पवन सिंह और आम्रपाली की जोड़ी ने मचाया हंगामा

भोजपुरी फिल्मों के मशहूर सिंगर और अभिनेता पवन सिंह के वीडियो आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। उनका नाम भोजपुरी युवा दर्शकों के बीच काफी मशहूर है। इसलिए पवन के वीडियो को इंटरनेट पर बेहद पसंद किया जाता है। इन दिनों इंटरनेट पर पिछले साल रिलीज हुई पवन सिंह की फिल्म 'शेर सिंह के एक गाने 'दूसर दुवार' जमकर वायरल हो रहा है। इस गाने में पवन सिंह के साथ भोजपुरी फिल्मों की मशहूर अदाकारा आम्रपाली दुबे नजर आ रही हैं। इस फिल्म के जरिए पहली बार पवन सिंह और आम्रपाली दुबे की जोड़ी भोजपुरी के बड़े पर्दे पर नजर आई थी। लोगों से इस फिल्म को भरपूर प्यार मिला था, इसलिए भोजपुरी बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने धमाल मचा दिया था। जी म्यूजिक भोजपुरी द्वारा इसी साल 10 फरवरी को यूट्यूब पर अपलोड किए गए पवन सिंह के इस गाने को अब तक एक करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इससे पहले रिलीज किया गया पवन सिंह का एक देवी गीत 'नईहर से अपना मंगा लीजिये' का जलवा अब तक सोशल मीडिया पर जारी है। पवन सिंह के साथ इस गाने में डुएट किया है नई सिंगर सोना सिंह ने। गाना 'नईहर से अपना मंगा लीजिये' के गीतकार संतोष साहिल हैं, जिन्होंने लॉक डाउन में लोगों की खास्ता हाल माली व्यवस्था के दर्द को साझा करते हुए आस्था को पूर्ण करने का तरीका बताया है।

रिलेशनशिप पर बोलीं कियारा

जब तक शादी नहीं हो रही मैं सिंगल हूं

बॉलिवुड की सबसे खूबसूरत और टैलेंटेड ऐक्ट्रेसेस में से एक मानी जाने वाली कियारा आडवाणी अपनी फिल्मों के अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपनी कथित रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। कियारा और सिद्धार्थ को कई मौकों पर साथ देखा गया है। इसके अलावा ये दोनों परमवीर चक्र विजेता शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा की बायॉपिक 'शेरशाह' में भी काम कर रहे हैं।

हाल में नेहा धूपिया के चैट शो में कियारा आडवाणी ने अपनी रिलेशनशिप और सिद्धार्थ के साथ डेटिंग के चर्चों पर खुलकर बात की। चैट शो में कियारा आडवाणी ने कहा कि उन्हें अपने साथ काम करने वाले किसी व्यक्ति को डेट करने में कोई दिक्कत नहीं है। हालांकि जब उनसे उनके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में पूछा गया तो कियारा ने कहा, जब तक मेरी शादी नहीं हो रही मैं सिंगल हूं। आगे कियारा ने कहा क्योंकि वह मैरिड नहीं हैं इसलिए वह सिंगल हैं। उन्होंने कहा कि साथ में काम करने वाले लोगों के साथ ज्यादा मुलाकात होती है और अगर वह किसी ऐक्टर को डेट करतीं या उससे शादी करतीं तो इससे उनके प्रफेशन पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। गौरतलब है कि कियारा आडवाणी को कुछ दिन पहले सिद्धार्थ के साथ कार में देखा गया था। इसके अलावा दोनों को साथ में डिनर डेट पर जाते हुए भी देखा गया था।

मिर्जापुर २ में कास्टिंग होने पर अमिका हुई भावुक

गायिका व अभिनेत्री अमिका शैल को आगामी वेब सीरीज मिजार्पुर 2 में कास्ट किया गया है। शो में अपनी कास्टिंग की पुष्टि होने पर उन्होंने अपने भावुक पल को साझा किया है। उन्होंने कहा कि मिजार्पुर में मेरे शामिल होने की पुष्टि की खबर सुनने के बाद मैं भावुक हो गई थी। मैंने 2018 में इसका पहला सीजन एक देखा था और दुनिया भर के लाखों प्रशंसकों की तरह ही इसका भरपूर आनंद लिया। हालांकि, शो का हिस्सा बनना जादुई है। सेट पर मेरा पहला दिन उत्साहित करने वाला था, खासकर तब, जब मैंने कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), गुड्डू (अली फजल) और मुन्ना को देखा था। उन्होंने आगे कहा कि एक गायिका का चरित्र निभाना मेरे लिए स्वाभाविक है, यह एक सपना सच होने जैसा था। मुझे स्टार कास्ट और क्रू टीम के साथ काम करना पसंद आया। मैंने पंकज जी को अभिनय करते हुए देख बहुत कुछ सीखा है, क्योंकि वह कुछ भी बहुत वास्तविक तरीके से करते हैं। एक कलाकार के तौर पर उनका नजरिया अद्भुत है। मुझे विश्वास है कि सर्वशक्तिमान ने पहले ही इस साल मेरे लिए एक अच्छी दिवाली की योजना बनाई थी। बता दें कि उन्होंने नौ साल की उम्र में रियलिटी शो 'लिटिल चैंप्स' में एक गायिका के रूप में अपनी यात्रा शुरू की। इसके बाद उन्होंने अभिनय में कदम रखा और मैडम सर, लाल इश्क, अभय, बालवीर रिटर्न्स, और उड़ान जैसी टेलीविजन सीरीज में काम किया। उन्होंने आगे कहा कि एक महीने के भीतर मेरे दो शो और एक फिल्म का प्रीमियर हो रहा है। गंदी बात 5 (वेब सीरीज) ने अच्छा प्रदर्शन किया है और अब मैं मिजार्पुर 2 रिलीज होने वाली है। इसके बाद 'लक्ष्मी बॉम्ब' आएगा। मगर, 'मिजार्पुर 2' मेरे लिए यादगार है, क्योंकि मैंने शो में एक गायिका का किरदार निभाया है, जिसका मुन्ना भैया अपहरण कर लेता है। बता दें कि करण अंशुमन और पुनीत कृष्णा द्वारा निर्मित शो के दूसरे सीजन में ईशा तलवार, विजय वर्मा, कुलभूषण खरबंदा, राजेश तैलंग, मेघना मलिक भी हैं। इस शो में अमिका एक गायिका की भूमिका में हैं।

मैं हमेशा हंसल मेहता की प्रशंसक रही हूं : नुसरत

नुसरत भरूचा ने स्क्रीन पर अपनी करिश्माई अपील के साथ हमें हर बार प्रभावित किया है। कई अविश्वसनीय निर्देशकों के साथ काम करने के बाद, नुसरत जल्द हंसल मेहता द्वारा निर्देशित छलांग में नजर आएंगी। नुसरत हमेशा अनुभवी निर्देशक हंसल के साथ काम करने की इच्छा रखती थी और छलांग के साथ उनका यह सपना सच हो गया है। हंसल मेहता के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, नुसरत ने साझा किया, मैं हमेशा हंसल मेहता की प्रशंसक रही हूं।

मुझे लगता है कि उनकी दुनिया, उनकी कहानियाँ बेहद प्रेरणादायक और अलग व वास्तविक होती हैं। यह आप में जज्बा भर देती है और यह आपको एक्शन लेने के लिए मजबूर करती है या यह एक विचार को उकसाती है या यह आपके भीतर किसी प्रकार के एक्शन को उकसाती है कि आप आगे कैसे रहना चाहते हैं, आप क्या विकल्प बनाते हैं और आपके विचार किस तरह के होने चाहिए।

आगे वह कहती है, वह जिन कहानियों को बुनते हैं, वे बहुत ही उत्तेजक साबित होती हैं और मुझे हमेशा लगता है कि उनके साथ कुछ करने से यह मुझे एक कलाकार और एक व्यक्ति के रूप में बदल देगा और मैं वास्तव में उनके साथ काम करना चाहती थी। यह उन बकेट लिस्ट में से चीजें हैं, मुझे उनके साथ एक फिल्म करनी है और मुझे उनकी दुनिया और उनके सिनेमा का हिस्सा बनना है। यह बिलकुल सही था, मेरा यह लालच कि मेरे करियर में उनके साथ एक फिल्म और काम करने का एक अनुभव होना चाहिए। मैं वास्तव में बहुत खुश और आभारी हूं कि मुझे ऐसा करने का मौका मिला - वह भी एक मंच पर और इस तरह की फिल्म में जहां पहली बार एक हल्की-फुल्की मजेदार फिल्म बन रही है, जो ज्यादा सीरियस और डार्क नहीं है। यह एक हल्की-फुल्की हास्य फिल्म है, लेकिन यह दिन के अंत में आपके भीतर एक्शन या विचार को उकसाता है जो अन्य सिनेमा में देखने मिलता है।

नागिन अब बड़े पर्दे पर आने को तैयार

टेलीविजन पर सुपरहिट धारावाहिक नागिन जल्द ही बड़े पर्दे पर आने वाला है। इस फिल्म के निमार्ता निखिल द्विवेदी और निर्देशक विशाल फुरिया फिल्म को बड़े पर्दे पर तीन भागों में रिलीज करेंगे। इस फ्रेंचाइजी को निमार्ताओं द्वारा एक स्मृति के रुप में बनाया जाएगा। इस खबर की घोषणा ट्रेड एनलिस्ट कोमल नहता ने ट्वीट के जरिए की। उन्होंने कहा कि फिल्म निमार्ता निखिल द्विवेदी नागिन फिल्म का तीन भाग बनाएंगे, जिसका निर्देशन विशाल फुरिया करेंगे। इसके बारे में अधिक जानकारी न देते हुए निखिल ने केवल नहता के ट्वीट को रिट्वीट किया। बता दें कि इससे पहले निखिल द्विवेदी ने फिल्म वीरे दी वेडिंग और दबंग 3 में सह-निमार्ता के रुप में काम किया है।

महिला–केंद्रित एक्शन कृति खरबंदा को पसंद

अभिनेत्री कृति खरबंदा आने वाले समय में किसी महिला-केंद्रित एक्शन फिल्म में काम करना चाहती हैं। दरअसल, उन्हें स्क्रीन पर एक्शन सीन्स को देखने में मजा आता है। कृति ने बताया कि मैं एक फीमेल एक्शन फिल्म करना पसंद करूंगी। मैं न केवल एक्शन सीक्वेंस देखना पसंद करती हूं, बल्कि मुझे इनमें हिस्सा लेना भी पसंद है। जहां तक मुझे याद है मैं हमेशा से एक आउटडोर पर्सन रही हूं। मैं कई तरह के स्पोर्ट्स में भी शामिल रही हूं। मैं टेनिस, बास्केटबॉल खेलती हूं। स्कूल में मैंने खो-खो भी खेला है। बता दें कि कृति को अपनी आगामी फिल्म 'तैश' में अपनी इस ख्वाहिश को पूरा करने का मौका मिला है। यह एक रिवेंज ड्रामा है। इस फिल्म में पुलकित सम्राट, जिम सभ्र, हषवर्धन राणे और संजीदा शेख जैसे कलाकार भी हैं।

आईलाइनर लगाना दिशा को लगता मुश्किल

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी को आईलाइनर लगाना मुश्किल लगता है। दिशा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मोनोक्रोम तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में उनका क्लोज-अप चेहरा दिखाई दे रहा है, जहां वह अपने आइब्रो पर आईलाइनर लगा रही हैं। उन्होंने इसे कैप्शन देते हुए लिखा कि यार आईलाइनर लगाना आसान नहीं। बता दें कि वर्कफ्रंट नी अभी दिशा अपनी आगामी फिल्म राधे की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में सुपरस्टार सलमान खान और रणदीप हुड्डा भी हैं। इस फिल्म का निर्देशन प्रभुदेवा ने किया है। हाल ही में सलमान खान ने 7 महीने बाद शूटिंग पर लौटने को लेकर खुशी जताई थी। इस फिल्म मं दिशा केटीना में भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म की निमार्ता एकता कपूर हैं और इसमें अक्षय ओबेरॉय और सनी सिंह भी हैं।

अपनी स्किन को लेकर कम्फर्टेबल हैं मलाइका

मलाइका अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बूमरैंग वीडियो साझा किया है। इस क्लिप में मलाइका कैमरे की ओर पोज देते हुए नजर आ रही हैं। इस पोस्ट में उन्होंने सेल्फ लव पर बात की। इसमें उनका लुक बेहद नैचुअल है। अपने इस पोस्ट को कैप्शन देते हुए मलाइका ने लिखा कि अपनी स्किन में कम्फर्टेबल हूं। अउन्होंने कहा कि वह अपनी त्वचा को लेकर बेहद सहज हैं। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही मलाइका ने अपना 47वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर उनके कथित बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर उन्हें बेहद ही मजेदार ढंग से बर्थडे विश किया था। अर्जुन ने मलाइका की एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह ट्रैकसूट पहनकर पाउट करती हुई अपने डॉगी के बगल में खड़ी पोज देती नजर आ रही हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा कि हैप्पी बर्थडे माय फूल।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

न्यूज. ब्रीफ

जर्मनी के जासूस ने चेताया, चीन तेजी से विश्व वर्चस्व के करीब पहुंच रहा

लंदन। जर्मनी की विदेशी खुफिया एजेंसी के एक पूर्व प्रमुख ने चीन की विस्तारवादी व आक्रामक नीतियों को लेकर गंभीर चिंता जाहिर की है। जर्मनी के जासूस गेरहार्ड शिंडलर ने दावा किया कि चीन तेजी से विश्व वर्चस्व यानि दुनिया पर कब्जे के करीब पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि अगर यूरोप जल्द इस खतरे के प्रति सचेत न हुआ तो इसके गंभार परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। गेरहार्ड शिंडलर, जिन्होंने 2011 से 2016 तक फेडरल इंटेलिजेंस सर्विस का नेतृत्व किया, ने कहा कि जर्मनी को बीजिंग पर रणनीतिक निर्भरता पर अंकुश लगाने और अपने 5जी मोबाइल फोन नेटवर्क से हुवावे पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है।

कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बाद जर्मनी में सीमित लॉकडाउन लगाने का आह्वान

बर्लिन। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बाद जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल ने देश में सीमित लॉकडाउन लगाने का आह्वान किया है। जर्मनी की रोग नियंत्रण एजेंसी ने बताया कि देश में पिछले कुछ दिनों सर्वाधिक 14,964 नए मामले दर्ज हुए है। देश में अभी तक कुल 4,49,275 मामले सामने आए हैं, और 10,098 लोगों की मौत हुई है। मर्केल ने बुधवार को जर्मनी के 16 राज्यों के गवर्नर और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मुलाकात कर कहा कि वे सामाजिक सम्पर्कों को कम करने के उपाय पेश करें।

ट्रंप के पक्ष में सिख, समुदाय के नेता ने कमला हैरिस को बताया भारत विरोधी

ओक क्रीक। छोटे कारोबारों को मदद पहुंचाने और भारत तथा अमेरिका के बीच संबंधों को मजबूत करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के कारण ट्रंप के पक्ष में सिख समुदाय का अच्छा खासा झुकाव देखा जा रहा है। विसकोन्सिन के मिलवॉकी इलाके के सफल कारोबारी एवं प्रमुख सिख नेता दर्शन सिंह धालीवाल ने बताया कि मध्य पश्चिम में ज्यादातर हमारे लोग कारोबारी हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सभी का समर्थन है। उन्होंने कहा, सिख राष्ट्रीय स्तर पर और खासतौर पर क्षेत्रीय स्तर पर ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं और इसका कारण भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने के उनके प्रयास और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी मित्रता है।

हवाईअड्डे पर महिलाओं की जबरन जांच के लिए कतर ने मांगी माफी

दुबई। अधिकारियों द्वारा इस महीने की शुरूआत में हवाई अड्डे पर लावारिस छोड़ दिए गए एक नवजात शिशु की मां की पहचान करने की कोशिश में ऑस्ट्रेलिया जाने वाले 'कतर एयरवेज' के विमान में सवार महिला यात्रियों की जबरन जांच के मामले में कतर ने बुधवार को माफी मांगी। ऑस्ट्रेलिया ने महिला यात्रियों की जबरन जांच की निंदा की थी। इससे दबाव में आई कतर सरकार ने कहा कि उसने दो अक्टूबर को सिडनी जा रही 'कतर एयरवेज फ्लाइट 908' में सवार महिलाओं के साथ हुए बर्ताव की जांच शुरू कर दी है।

विमान वाहक पोत शैनडोंग युद्धक तैनाती के लिए तैयार

बीजिंग। चीन के पहले स्वदेश निर्मित विमान वाहक पोत शैनडोंग का नियमित परीक्षण और समुद्री प्रशिक्षण मिशन पूरा हो गया है। साल के अंत तक युद्धक तैनाती के लिये तैयार हो जाएगा। मंगलवार को चीनी सरकारी मीडिया में आई खबर में इसकी जानकारी दी गई है। पिछले महीने चीनी सेना ने कहा था कि चीनी विमान वाहक लियाओनिंग और शैनडोंग ने हाल ही में नियमित प्रशिक्षण और समुद्री परीक्षण पूरा कर लिया है। लियाओनिंग को साल 2012 में जबकि शैनडोंग को पिछले साल दिसंबर में पीएलए की नौसेना में शामिल किया गया था।

तौसिफ ने 2 महीने पहले रची थी

निकिता की हत्या की साजिश पुलिस के सामने किए कई खुलासे

फरीदाबाद। करीब दो माह पहले आरोपी ने निकिता तोमर हत्याकांड की साजिश रच डाली थी। आरोपी तौसिफ ने पुलिस पूछताछ में कबूल किया है कि निकिता ने उससे शादी करने से साफ इंकार कर दिया था। इसी वजह से उसने फैसला किया था कि यदि वह मेरी नहीं हो सकती तो मैं उसे किसी और की नहीं होने दूंगा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी तौसिफ ने पुलिस द्वारा की गई गहन पूछताछ में बताया है कि वह सन् 2018 में निकिता को शादी की नीयत अपहरण कर ले गया था। उस वक्त भी निकिता ने उससे शादी नहीं की थी। परिजनों द्वारा मामला दर्ज करवाए जाने की वजह से वह उससे शादी नहीं कर पाया था। बाद में आरोपी के परिजनों द्वारा माफी मांगने पर यह मामला खत्म हो गया था। इसके बावजूद आरोपी उससे शादी करना चाहता था। वह उसे काफी प्रयास के बाद भी भूल नहीं पा रहा था। उसे लग रहा था कि निकिता किसी और से शादी करेगी। यह सोचकर वह परेशान हो गया था।

निकिता तोमर मर्डर केस-तौसिफ को

पिस्टल देने वाला व्यक्ति गिरफ्तार- उसने दो माह पहले निकिता की हत्या की योजना बना ली थी। निकिता की हत्या करने के मकसद से उसने पुन्हाना के नजदीक सिंगलहेडी गांव से करीब दो माह पहले कट्टा खरीद लिया था। इसके बाद से ही आरोपी निकिता की तलाश में घूम रहा था। कुछ दिन पहले जब यूनिवर्सिटी ने परीक्षा की डेटशीट जारी की तो वह कॉलेज के सामने घूमने लगा था। हत्या से पहले भी वह तीन-चार बार कॉलेज के सामने पहुंचा था। ताकि मौका मिलते ही निकिता का अपहरण या उसकी हत्या की जा सके। घटना वाले दिन आरोपी अपने साथी के कॉलेज के प्रवेशद्वार पर पहुंच गया था। पुलिस सूत्रों का यह भी कहना है कि आरोपी ने परीक्षा शुरू होने के बारे में कॉलेज के कुछ छात्रों से भी जानकारी जुटाई थी। पुलिस सूत्रों का यह भी कहना है कि आरोपी ने पुलिस पूछताछ में छात्रा से फोन पर बातें करना भी कबूल किया है। आरोपी छात्रा पर शादी के लिए दबाव बनाने में जुटा हुआ था।

छात्रा उसे सिर्फ दोस्त समझती थी- पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी स्कूल में साथ पढ़ा था। इस वजह से छात्रा बातचीत कर लेती थी। मगर, आरोपी एकतरफा प्यार करने लगा। इसी कारण वह सन् 2018 में आरोपी छात्रा को भगा ले गया था। वह किसी भी कीमत पर छात्रा को पाना चाहता था। जब छात्रा ने इंकार किया तो उसने उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने कार बरामद की

अपराध जांच शाखा, डीएलएफ ने सोहना के पहाड़ी एरिया में छापेमारी कर सोहना के कबीर नगर निवासी तौसिफ और रेवासन निवासी रेहान की निशानदेही पर वारदात में प्रयोग की गई गाड़ी बरामद कर ली है। जबकि कट्टा को पहले ही बरामद किया जा चुका है। हत्या के वक्त मुख्य आरोपी का साथी रेवासन निवासी रेहान कार चला रहा था।

भारत को सऊदी ने दिया दिवाली तोहफा तो पाक को झटका

पॉक और गिलगित-बाल्टिस्तान को पाकिस्तान के नक्शे से हटाया

लंदन। सऊदी अरब ने पाकिस्तान द्वारा कब्जाए गए कश्मीर (पीओके) और गिलगित-बाल्टिस्तान को पाकिस्तान के नक्शे से हटा दिया है। पीओके कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने बुधवार को ट्वीट कर यह दावा किया। उन्होंने एक तस्वीर भी ट्वीट की, जिसमें कैप्शन दिया गया था, भारत के लिए सऊदी अरब का दिवाली तोहफा- पाकिस्तान के नक्शे से गिलगित-बाल्टिस्तान और कश्मीर को हटाया। न्यूज एजेंसी एएनआई ने मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बताया कि सऊदी अरब ने 21-22 नवंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन की अपनी अध्यक्षता के लिए एक 20 रियाल (सऊदी मुद्रा) का बैंकनोट जारी किया। यह बताया गया कि बैंकनोट पर प्रदर्शित विश्व मानचित्र में गिलगित-बाल्टिस्तान और कश्मीर को पाकिस्तान के हिस्सों के रूप में नहीं दिखाया गया है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि सऊदी अरब का कदम पाकिस्तान को अपमानित करने के प्रयास से कम नहीं है। भारत ने गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव पर आपत्ति जताई थी। बता दें कि पाक अक्सर हर मंच पर कश्मीर मुद्दा उठाने की कोशिश करता रहा है और ऐसे में सऊदी का यह कदम उसके लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने सितंबर में कहा था कि उन्होंने 15 नवंबर को होने वाले तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा के चुनावों के बारे में रिपोर्ट देखी है और इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत सरकार ने पाकिस्तान सरकार को कड़ा विरोध जताया और दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, तथाकथित गिलगित और बाल्टिस्तान सहित, भारत का एक अभिन्न हिस्सा हैं।

मनुष्यों को मारकर उनके मांस से अचार बनाकर खाने वाले दंपती गिरफ्तार, सेल्फी से हुआ खुलासा

मास्को ■ एजेंसी

मनुष्यों के मांस का अचार सुनकर आपके रोंगटे खड़े हो गए होंगे पर यह कोई ड्रैकुला फिल्म का सीन नहीं है। रूस में पुलिस ने एक ऐसे दंपती को गिरफ्तार किया है जोकि पिछले 30 साल से इंसानों को मौत के घाट उतार कर उनका अचार बनाकर खाते थे। गिरफ्तारी के बाद जब इस कपल दिमित्री बाकेशेव और उसकी पत्नी नतालिया ने अपने राज खोले, तो उसे सुनकर पुलिस के पैरों तले जमीन निकल गई। दरअसल, रूस के क्रासनोदर शहर में पुलिस को गश्त के दौरान एक मोबाइल फोन मिला जिसमें उन्हें एक ऐसी फोटो दिखाई दी जिसमें एक आदमी मानव शरीर के साथ सेल्फी ले रहा था। इस तस्वीर को देखने के बाद पुलिस ने शक के आधार पर सेल्फी लेने वाले शख्स की तलाश शुरू की। छानबीन के दौरान पुलिस दिमित्री बाकेशेव और उसकी पत्नी नतालिया को क्रासनोदर शहर से गिरफ्तार किया। पुलिस से पुछताछ के दौरान इस कपल ने स्वीकार किया कि उन्होंने 30 से अधिक लोगों को मारकर और उनके मांस से अचार बनाकर उसे लोकल रेस्टोरेंट में बेचा था।

रिपोर्ट के मुताबिक क्रासनोदर सिटी में रहने वाले 35 साल के दिमित्री बाकेशेव ने स्वीकार किया है कि वो अब तक 30 से भी ज्यादा लोगों को मारकर खा चुके है। यह काम उन्होंने अपनी पत्नी नतालिया बाकेशेव के साथ मिलकर किया। नतालिया पेशे से नर्स है।

एक नजर इधर भी

रियो डि जिनेरियो में एक कोविड-19 वाले अस्पताल में लगी आग के कारण घबराये हुए उनके परिजन।

इलाज के लिए भारत आई इराकी महिला कोरोना के कारण मुसीबत में फंसी

बगदाद ■ एजेंसी

इलाज के लिए भारत यात्रा पर आई एक इराकी महिला कोरोना के कारण मुसीबत में फंस गई है। दिल्ली स्थित एक होटल में रह रही महिला ने अंतर्राष्टीय मानवाधिकार संगठन व नेशनल ह्यूमन राइट सोशल जस्टिस कौंसिल ग्लोबल से मदद मांगी है। महिला का नाम साऊद नेमहे है, जिसका वीडियों में भारत और ईराक सरकार से उसकी वतन वापसी के लिए मदद की गुहार लगाई है। महिला ने अपने वीडियो और लिखित संदेश में कहा है कि दिल्ली में एक होटल में रह रही हूं। कृपया मेरी सहायता करें... मैं बहुत मुश्किल में हूं। पीड़ित महिला ने बताया कि वह ईराक में एक मीडियाकर्मी है। वह अपनी रीढ़ की बीमारी के इलाज के लिए कुछ चिकित्सीय परीक्षण करवाने भारत आई थी लेकिन जांच में कोरोना पॉजिटिव आने के बाद यहां क्वारटाइंन कर दिया गया। सऊद ने बताया कि अब वह पहले से ठीक है और अपने देश वापस जाना चाहती है, लेकिन उस यात्रा करने से रोका जा रहा है। महिला ने बताया कि वह यहां अकेली है और कई मुश्किलों का सामना कर रही है। उसने कहा कि वह वह एक मरीज है इसलिए उसकी जल्द से जल्द सहायता की जाए। उन्होंने इराकी सरकार विशेष रूप से प्रधान मंत्री अल-काजमी, इराकी विदेश मंत्री, नई दिल्ली में इराकी दुतावास को संबोधित करते हुए विनती की है कि कृपया उसे देश लौटने में मदद करें।

रूसी पुराविद् वैज्ञानिकों को मिली 5 हजार साल पुरानी खोपड़ी, दिमाग की हुई थी सर्जरी

मास्को ■ एजेंसी

हजारों साल पहले मानव की शल्यक्रिया के प्रमाण मिलते हैं पर इसके व्यावहारिक रूप से प्रचलन की संभावना कम ही मिलती है लेकिन पहली बार ऐसा हुआ कि रूसी वैज्ञानिकों को किसी ऐसे आदमी की खोपड़ी मिली है जिसने दिमाग की शल्य क्रिया करवाई थी।

यह खोपड़ी पांच हजार साल पुरानी है। रूसी वैज्ञानिकों को यह खोपड़ी क्रीमिया में मिली है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि दिमाग की यह शल्यक्रिया सफल नहीं रही होगी और बहुत संभव है कि यह व्यक्ति इस शल्य क्रिया के दौरान ही मर गया होगा। शोधकताओं ने इस खोपड़ी की 3 डी तस्वीरें ली जिनसे पता चलता है कि 20 से 30 साल की उम्र के रहे इस कांस्य युगीन व्यक्ति की खोपड़ी में ट्रेपैनशन सर्जरी की गई थी। इस तरह की सर्जरी के लिए उस जमाने में मरीज की खोपड़ी में एक छेद किया जाता था।

शोधकताओं का कहना है कि यह शल्य क्रिया सफल नहीं रही होगी जिसकी वजह से यह बदकिस्मत

इंसान ज्यादा समय तक जिंदा नहीं रह सका होगा। कॉन्टेक्चुअल एंथ्रोपोलॉजी लैबोरेटरी की प्रमुख डॉ. मारिया डोब्रोवोल्स्काया के मुताबिक यह स्पष्ट है कि घाव भरने के संकेत जाहिर तौर पर दिखाई नहीं दिए क्योंकि ट्रेपैनेशन के निशान हड्डी की सतह पर साफ तौर पर दिखाई दे रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक इंस्टीट्यूट ऑफ आर्कियोलॉजी ऑफ द रशियन एकेडमी ऑफ साइंस मॉस्को के वैज्ञानिकों ने कहा कि पुराने चिकित्सकों के पास निश्चित तौर पर पत्थर के सर्जरी उपकरण रहे होंगे। रिपोर्ट में बताया गया कि खोपड़ी एक कंकाल के साथ एक गहरी कब्र में पाई गई थी हड्डियों की स्थिति को देख कर पता चला था कि मरीज का शरीर उसकी दाईं ओर मोड़ कर रखा गया था। जबकि उसके पैरों को बाएं तरफ घुटनों तक मोड़ कर रखा गया था। दो पत्थर के तीरे के फल भी उसे साथ दफनाए गए थे।

डॉ. डोब्रोवोल्स्काया ने बताया कि पुराने समय में ट्रेपैनेशन से बच जाने की दर काफी ज्यादा थी। इस तथ्य के बाद भी यह आदमी इस मामले में खुशकिस्मत नहीं था और बच नहीं सका होगा। पाषाण युग के पुरातत्वविज्ञान शोधकर्ता ओलेस्या उस्पेन्स्काया का कहना है कि उस समय के चिकित्सकों ने तीन तरह के निशान शरीर पर छोड़े थे जो अलग-अलग तरह के पत्थर के चाकू से लगे थे। शोधकताओं के अनुसार दिमाग की शल्य क्रिया का उपयोग उस जमाने में गंभीर सिरदर्द, हेमाटोमा, सिर के घाव या मिरगी के इलाज के लिए की जाती रही होंगी। विशेषज्ञों का मानना है कि पुराने जमामे में ट्रेपैनेशन का शल्य क्रिया और कुछ रिवाजों के तौर पर उपयोग किया जाता था। कुछ मामलों में तो उसका उपयोग इंसान का व्यवहार बदलने तक के लिए किया जाता था।

भारत में प्रति दस लाख की आबादी पर कोरोना संक्रमण से मौत के मामले सबसे कम

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि केंद्र, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के ठोस कदमों तथा समन्वित रणनीति की वजह से भारत प्रति दस लाख की आबादी पर कोरोना संक्रमण और इससे होने वाली मौतों के सबसे कम मामले है। प्रति 10 लाख की आबादी पर कोविड-19 के मामलों का वैश्विक आंकड़ा 5,552 है। भारत में प्रति 10 लाख की आबादी पर यह आंकड़ा 5,790 है। अमेरिका, ब्राजील, फ्रांस, ब्रिटेन, रूस और दक्षिण अफ्रीका में इसके मुकाबले काफी अधिक मामले हैं। भारत में प्रति 10 लाख की आबादी पर कोविड-19 संबंधी मौतों का आंकड़ा केवल 87 है, जो वैश्विक औसत 148 से बहुत कम है।

जम्मू-कश्मीर में कैसे खरीद सकते हैं जमीन, क्या कहता है मोदी सरकार का नया कानून

नई दिल्ली। करीब-करीब हर भारतीय अपने जीवन में एकबार धरती के स्वर्ग कहा जाने वाले कश्मीर की यात्रा करना जरूर चाहता है। कुछ के तो सपने होतें है कि छोटा ही सही, कश्मीर की वादियों में उसका भी घर हो। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के एक फैसले से ऐसे लोगों का सपना साकार होने जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को लेकर नए कानूनों का नोटिफिकेशन जारी किया है। आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर में जमीन खरीदने के लिए राज्य का स्थायी निवासी होने की शर्त को हटा दिया है। गृह मंत्रालय का नोटिफिकेशन तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। नए नियम के मुताबिक, अब कोई भी भारतीय नागरिक जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में जमीन खरीद सकता है और वहां घर बना सकता है। हालांकि इसको लेकर कई नियमों और शर्तों का पालन करना होगा। नए नियमों के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में अब जमीन खरीदना लद्दाख और हिमाचल से भी आसान हो गया है। पुराने नियमों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीप के स्थायी निवासी ही जमीन खरीद या बेच सकते थे। इतना ही नहीं, अगर कोई महिला किसी दूसरे राज्य से यहां शादी कर आती थी, तो भी उसे जमीन की खरीद-बिक्री का अधिकार प्राप्त नहीं था। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर डेवलपमेंट एक्ट की धारा 17 में बदलाव किये हैं। हालांकि, सरकार ने खेती की जमीन को लेकर रोक जारी रखी है।

झारखंड, ओडिशा सहिता इन राज्यों में भी सख्ती- जम्मू-कश्मीर कोई इकलौत राज्य नहीं था, जहां जमीन खरीदने की सख्ती थी। इससे इतर झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश में आदिवासियों के लिए जमीन खरीदना या बेचना आसान नहीं है। गुजरात, कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी कृषि जमीन की खरीद-फरोख्त को लेकर सख्त कानून हैं।

जम्मू-कश्मीर में क्या है जमीन की कीमत? 0जम्मू-कश्मीर में जमीन खरीदने का सपना पाले लोगों की दिलचस्पी कीमतों को लेकर भी रहती है। अनुच्छेद 370 के खात्मे का बाद इसको लेकर जिज्ञासा और बढ़ गई है। श्रीनगर और जम्मू की बात करें तो यहां करीब चार हजार रुपए वर्ग फुट के हिसाब से जमीन खरीदी या बेची जा रही है।

भूमिका — ट्रांसजेंडर समाज में बहुत ही सशक्त समूह हैं और दूसरों की मदद करने के लिए तैयार भीः जॉर्ज

प्रशंसनीयः जल्द ही केरल में आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा ट्रांसजेंडर समुदाय

तिरुवनंतुरम ■ एजेंसी

ट्रांसजेंडर समुदाय जल्द ही केरल में आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, क्योंकि राज्य सरकार देश में पहली बार इसे हाशिए के समूह में शामिल करने के लिए कमर कस रही है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि प्राधिकरण अपने आपदा प्रबंधन कार्यक्रम में तीसरे नंबर पर रोपिंग कर रहे हैं और आपात स्थिति के दौरान अपनी सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं, इसके अलावा अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं और अस्तित्व कौशल को मजबूत कर रहे हैं। हाल के दिनों में बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) राज्य में एक ट्रांसजेंडर-समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण

कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर विचार कर रहा है, जो देश में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है। केरल, जिसे हाल में दो बाढ़ों का सामना करना पड़ा था, पहले से ही एक सफल विकलांगता समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण मॉडल है, जिसने व्यापक राष्ट्रीय प्रशंसा प्राप्त की थी। हाल के प्राकृतिक आपदाओं ने एसडीएमए को एक आपदा प्रबंधन मॉडल की परिकल्पना करने के लिए राजी कर लिया है जिसमें जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग शामिल हैं, विशेष रूप से कमजोर समुदायों। कमजोर समूह जोखिम के लिए अधिक प्रवण हैं। बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, अलग-अलग तरह के लोगों, ट्रांसजेंडरों और अन्य आपदाओं के लिए अधिक संवेदनशील हैं, जो जॉन जॉर्ज, राज्य परियोजना अधिकारी, एसडीएमए, ने बताया कि दक्षिणी राज्य ने इसे ध्यान में रखते हुए देश की पहली विकलांगता आपदा आपदा का जोखिम उठाया था। हम इस मॉडल पर भी ट्रांसजेंडर-समावेशी कार्यक्रम की योजना बना रहे हैं, उन्होंने कहा कि अलग-अलग लोगों की तुलना में, जिन्हें आपात स्थिति के समय अधिक शारीरिक मदद और समर्थन की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर हमारे समाज में हमेशा से हैं, लेकिन, फिर भी वे एक या अन्य प्रकार के सामाजिक बहिष्कार का सामना कर रहे हैं और एक कलंक हमेशा उनके साथ जुड़ा हुआ है। लेकिन, वे एक बहुत ही सशक्त समूह हैं और दूसरों की मदद करने के लिए तैयार हैं। हाल ही में आई बाढ़ के बाद गठित सरकार की आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम में आपात स्थिति के दौरान उनकी सेवा को स्वेच्छा से करने के लिए 58 ट्रांसजेंडरों ने पंजीकरण कराया था।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

न्यूज. ब्रीफ

जीत के लिए कैपिटल्स को अपनी रणनीति बेहतर करनी होगी : पोंटिंग

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग ने माना है कि उनकी टीम लक्ष्य का पीछा करने में लड़खड़ा रही है। जो टीम के लिए अब चिंता का विषय बना हुआ है। आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे अपनी इस कमी को ठीक करना होगा। अगले दोनों मैच जीतने हैं तो इसमें तुरंत सुधार करना होगा। पिछले दो मैचों में अच्छी शुरूआत के बाद दिल्ली को हार का सामना करना पड़ा था। इनमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार भी शामिल है। कोच ने कहा , जब हमने पहले गेंदबाजी का फैसला किया तो हमने उन्हें बड़ा स्कोर बनाने दिया। हमें इसमें बेहतर खेल दिखाना होगा। हमें पहले गेंदबाजी करते हुए अच्छी गेंदबाजी करने और लक्ष्य का पीछा करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है क्योंकि अभी तक यह हमारे अनुकूल नहीं रहा। पोंटिंग ने कहा, हमें टूनार्मेंट की शुरूआत से ही इसका अंदाजा था कि क्वालीफाई करने के लिये लगभग कितने अंक की जरूरत पड़ती है। हमने सात जीत जल्दी हासिल कर लिए और अब लगातार तीन मैच गंवा बैठे। हमें जीत की लय फिर से हासिल करनी होगी। उन्होंने कहा, अभी हम जिस तरह से खेल रहे हैं अगर वैसा ही खेलते हैं तो हमारे लिए जीतना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए हमें जल्द से जल्द लक्ष्य का पीछा करने की रणनीति में बदलाव करना होगा।

कार्तिक को बीच हॉलिडे पर ले जाना चाहती हैं दीपिका पल्लीकल

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक के लिए आईपीएल का ये 13 वें सत्र अच्छा नहीं रहा। कार्तिक ने इस सत्र की शुरूआत कप्तान के तौर पर की थी पर टीम के खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें बीच में ही हटना पड़ा। कप्तानी छोड़ने के बाद भी कार्तिक की बल्लेबाजी ठीक नहीं हुई है। वहीं इसी बीच कार्तिक की पत्नी और स्क्वाश खिलाड़ी दीपिका पल्लीकल ने समंदर किनारे छुट्टी मनाने की बात कही है। दीपिका ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर यह बात कही है। दीपिका ने इस वीडियो में कहा कि वो अपने पति दिनेश कार्तिक के साथ बीच हॉलिडे के लिए जाना चाहती हैं। इस पर फैंस ने कहा कि उन्हें और कार्तिक को इसकी जरूरत भी है। कार्तिक की बल्लेबाजी आईपीएल में खरीब रही है, इसीलिए फैंस उनके वीडियो पर ऐसे कमेंट कर रहे हैं। कार्तिक ने आईपीएल में इस बार 12 मैचों में 13.45 के औसत से केवल 148 रन बनाए हैं। इस दौरान कार्तिक 2 बार अपना खाता भी नहीं खोल पाये थे। वहीं 13 मैचों में कार्तिक एक अर्धशतक लगा सके हैं।

साहा की क्षमताओं को कम आंका गया

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि साहा की क्षमताओं को हमेशा से ही कम आंका गया है। साहा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आक्रामक अर्धशतकीय पारी खेली थी। तेदुलकर ने ट्विटर पर लिखा, डेविड वार्नर की आक्रामक पारी देखकर मजा आया। इसके साथ ही साहा की बल्लेबाजी से प्रभावित तेंदुलकर ने लिखा, मुझे ऐसा लगता है कि साहा की तेजी से रन बनाने वाली क्षमता को कम आंका गया है। साहा ने शानदार बल्लेबाजी की है। उन्होंने आगे लिखा, गेंद की लाइन और लेंथ चुनने के बाद उसने अपने शॉट्स में लगातार सुधार किया। शानदार पारी खेली जिसे देखकर मुझे अच्छा लगा। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मंगलवार को खेले गए आईपीएल मैच के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद ने वार्नर और साहा की शानदार बल्लेबाजी से 2 विकेट पर 219 रन बनाए थे।

आईपीएल 2020: हर हाल में आज जीत दर्ज करनी होगी केकेआर को

जीत के लिए बेताब कोलकाता टीम के समीकरण बिगाड़ने उतरेगी सीएसके

- प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है धोनी की चैन्नई सुपर किंग्स
- छह मैच जीतकर तालिका में पांचवे स्थान पर है कोलकाता की टीम

दुबई ■ एजेंसी

प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बाकी टीमों के समीकरण बिगाड़ने की कोशिश करेगी और इसमें उसका पहला निशाना जीत के लिए बेताब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) होगा जिसके खिलाफ उसे गुरुवार को दुबई में मैच खेलना है। केकेआर के 12 मैचों में 12 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में जगह सुरक्षित करने के लिए अगले दोनों मैच जीतने होंगे।

चेन्नई आठ टीमों की तालिका में अंतिम स्थान पर है और उसकी टीम अब प्रतिष्ठा की खातिर मैदान पर उतरेगी। टूनार्मेंट के इस दौर में कुछ टीमों की हार जीत से कई टीमें 14 या 16 अंक तक पहुंच सकती हैं और ऐसे में बेहतर रन गति से प्लेऑफ के स्थानों का निर्धारण होगा। इसे ध्यान में रखते हुए केकेआर के लिए बड़े अंतर से जीत दर्ज करना महत्वपूर्ण है।

केकेआर के लिए चेन्नई के खिलाफ काम आसान नहीं होगा।

दोनों टीमों की संभावित खिलाड़ी

कोलकाता नाइट राइडर्स: शुभमन गिल, राहुल त्रिपाठी, नितीश राणा, इयोन मोर्गन (कप्तान), दिनेश कार्तिक, सुनील नारायण, पैट कमिंस, लौकी फर्गुसन, कमलेश नागरकोटी, वरुण चक्रवर्ती, प्रसिद्ध कृष्णा।

चेन्नई सुपर किंग्स: ऋतुराज गायकवाड़, फैफ डु प्लेसी, अंबाती रायुडू, एन जगदीशन, एमएस धोनी (कप्तान), सैम कुर्रन, रविंद्र जडेजा, मिशेल सैंटनर, दीपक चाहर, इमरान ताहिर, मोनू कुमार।

चेन्नई ने अपने पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को आठ विकेट से करारी शिकस्त दी थी। केकेआर का बल्लेबाजी क्रम इयोन मोर्गन के लिए चिंता का विषय है और उन्हें उम्मीद होगी कि अब जबकि टीम को सख्त जरूरत है तब पूर्व कप्तान दिनेश कार्तिक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे। नितीश राणा का प्रदर्शन भी उतार चढ़ाव वाला रहा है। उसके बाकी बल्लेबाजों के प्रदर्शन में भी निरंतरता का अभाव है।

गेंदबाजों ने केकेआर की तरफ से अभी तक अच्छी भूमिका निभाई है। तमिलनाडु के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती प्रभावशाली रहे हैं और अपने अच्छे प्रदर्शन के दम पर उन्हें भारतीय टी20 टीम में भी जगह मिली है। केकेआर के गेंदबाजों को चेन्नई के बल्लेबाजों के सामने किसी भी तरह की ढिलायी बरतने से बचना होगा। चेन्नई के बल्लेबाज भी निरंतर एक जैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, लेकिन जब उनका दिन होता है तो वे किसी भी तरह के आक्रमण धज्जियां उड़ा सकते हैं।

पहली बार प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाले चेन्नई के सामने कोलकाता के बल्लेबाजों को विविधतापूर्ण आक्रमण की चुनौती से पार पाना होगा। मिशेल सेंटनर को अंतिम एकादश में शामिल किये जाने के बाद चेन्नई की गेंदबाजी को मजबूती मिली है। आरसीबी पर जीत से चेन्नई के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा होगा। युवा रुतुराज गायकवाड़ ने पिछले मैच में शानदार पारी खेली और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी उनसे इसी फार्म की उम्मीद कर रहे होंगे। उनके अन्य बल्लेबाज भी अब स्वच्छंद होकर बड़ी पारियां खेलने पर ध्यान देंगे।

सौरभ गांगुली ने आईपीएल को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ टूर्नामिंट बताया

मुम्बई। बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अभी विश्व का सर्वश्रेष्ठ टूनार्मेंट कहा जा सकता है। गांगुली के अनुसार कोरोना महामारी के दौर में इस सत्र को मिल रही वर्चुअल दर्शकों की संख्या और रेटिंग के आंकड़े उत्साहित करने वाले हैं। गांगुली ने कहा कि टूनार्मेंट के आयोजन से एक महीने पहले इस पर विचार किया जा रहा था कि कैसे यह सब होगा, बायो बबल (जैव सुरक्षित माहौल) का अंतिम परिणाम क्या होगा और क्या यह सफल हो पाएगा पर अब जिस प्रकार यह आयोजन हुआ उससे सभी संशय समाप्त हो गये। गांगुली ने कहा, 'अविश्वसनीय और मुझे बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ। जब हम आधिकारिक प्रसारणकर्ता और इस टूनार्मेंट से संबंधित सभी लोगों के साथ चर्चा कर रहे थे। टूनार्मेंट का लीग चरण इस सप्ताह समाप्त होने वाला है जबकि अगले सप्ताह प्लेऑफ खेला जाएगा और इसका फाइनल 10 नवंबर को दुबई में होगा। उन्होंने कहा, 'हमने अपनी योजना के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया क्योंकि हम सभी के जीवन में सामान्य स्थिति लाना चाहते थे और खेल को वापस लाना चाहते थे। इसे मिल रही प्रतिक्रिया से मैं हैरान नहीं हूं। यह दुनिया का सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट है।' इस बार आईपीएल के 13वें सत्र के पहले सप्ताह में करीब 26 करोड़ 90 लाख लोगों ने मैच देखा था, जोकि पिछले साल की तुलना में प्रति मैच 1.1 करोड़ ज्यादा है। एक रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा सीजन के पहले सप्ताह में प्रत्येक मिनट में टीवी दर्शकों की संख्या में पिछले साल की तुलना में 15 फीसदी इजाफा देखने को मिला है।

ऋषभ को सीमित ओवरों के लिए शामिल नहीं करने से हैरान नहीं है सहवाग

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए सीमित ओवरों की टीम में शामिल नहीं किये जाने पर उन्हें हैरानी नहीं हुई। सहवाग के अनुसार जिस प्रकार ऋषभ अपना विकेट गंवा रहे थे उससे ये होना ही था। सहवाग के अनुसार इससे पहले के दौरे में जब ऋषभ अनफिट थे तो लोकेश राहुल को विकेटकीपिंग दी गई थी। इससे उन्हें यह संकेत दिये गये थे कि अपने खेल को बेहतर करें नहीं तो आगे भी ऐसा ही होगा। सहवाग ने बल्लेबाज राहुल द्रविड़ का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, द्रविड़ ने काफी लंबे समय तक विकेटकीपिंग की क्योंकि तब हमारे पास महेंद्र सिंह धोनी नहीं थे। हमारे पास विकेटकीपर नहीं था तो हमारे पास द्रविड़ के रूप में ऐसा बल्लेबाज था जोकि विकेटकीपिंग भी कर लेता था पर लेकिन ऋषभ की बात कुछ और है। हालात भी अब अलग हैं। टीम के पास कई युवा विकेटकीपर हैं। ऋषभ बल्लेबाजी के दौरान कई बार अपना विकेट लापरवाही से गंवा देते हैं। शायद इसी कारण टीम मैनेजमैंट और कोच उनसे संतुष्ट नहीं होंगे। सहवाग ने कहा कि टीम इंडिया में जगह किसी की भी पक्की नहीं है। अब बहुत सारे अच्छे क्रिकेटर है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पृथ्वी के चयन को सही नहीं मानते वान

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वान के अनुसार बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पृथ्वी का चयन कर गलती की है। वान के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर जिस संयम की जरुरत है वो इस युवा बल्लेबाज में नजर नहीं आता है। इस पूर्व कप्तान ने कहा है कि पृथ्वी जिस प्रकार से ट्वंटी 20 या एकदिवसीय क्रिकेट में खेलने हैं। उसको देखते हुए टेस्ट में उनको शामिल करना सही नहीं कहा जा सकता है। वान के अनुसार भारतीय क्रिकेट बार्ड (बीसीसीआई) पृथ्वी शॉ को जितना अच्छा बल्लेबाज समझता है उतने वह हैं नहीं।

पूर्व कप्तान के अनुसार टेस्ट क्रिकेट एक अलग तरह का खेल है। ऑस्ट्रेलिय में खेलने के लिए आपके पास सर्वश्रेष्ठ टीम होनी चाहिए लेकिन पृथ्वी को देखकर ऐसा नहीं लगता कि वह इतने कुशल हैं। या शायद चयनकर्ता जितना अच्छा उनको ऑस्ट्रेलिया की पिचों पर मानते हैं वह उतने अच्छे है नहीं। इसके पीछे एक वजह अनुभव की कमी भी हो सकती है। वह अभी काफी कम उम्र के हैं और उन्होंने ज्यादातर ट्वंटी-20 क्रिकेट खेला है। गौरतलब है कि पृथ्वी का आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए प्रदर्शन ठीक- ठाक रहा है। पृथ्वी ने टूनार्मेंट की शुरूआत काफी अच्छी की थी। उन्होंने बड़ी टीमों के खिलाफ रन बनाए थे पर जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ते गए उनका प्रदर्शन भी पहले जैसा नहीं रहा।

फुटबॉल पुर्तगाल में चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए ओलंपिकोस के खिलाड़ी यूसुफ अल अरेबी।

सितंबर में टोल कलेक्शन प्री-कोविड स्तर के पार पहुंचा, फेस्टिव सीजन का सहारा

- सितंबर महीने में हाईवे पर कुल 11 करोड़ वाहनों का आवागमन हुआ
- सितंबर में कुल 1,941 करोड़ रुपए का टोल कलेक्शन किया गया

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

देश के हाईवे पर एक बार फिर कमर्शियल वाहनों की रफ्तार बढ़ी है। सितंबर महीने में टोल कलेक्शन का आंकड़ा प्री-कोविड स्तर के पार पहुंच गया है। जारी रिपोर्ट के मुताबिक लॉकडाउन के बाद पहली बार हाईवे पर भारी वाहनों आवागमन तेज हुई है। इसके वजह फेस्टिव सीजन है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के रिसर्च फर्म ने देशभर के हाईवे पर इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन से संबंधित एक डेटा जारी किया है। इसमें कहा गया है कि सितंबर महीने में हाईवे पर कुल 11 करोड़ वाहनों का आवागमन हुआ। इससे टोल कलेक्शन का आंकड़ा 1,941 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया। क्रिसिल रिसर्च की डायरेक्टर ईशा चौधरी ने बताया कि कैलेंडर ईयर में यह कलेक्शन का उच्चतम स्तर है। डेटा के मुताबिक इससे पहले फरवरी, 2020 में हाईवे पर कुल 10 करोड़ वाहनों का आवागमन हुआ था, जो कोरोना पूर्व का समय था।

मार्च में वाहनों के आवागमन के आंकड़े गिरकर 8.5 करोड़ हो गए थे। लॉकडाउन के पहले महीने अप्रैल में यह 1 करोड़ हो गया, जो मई में 5.5 करोड़ हो गया था। दरअसल लॉकडाउन के दौरान इंटर-स्टेट और इंटर डिस्ट्रिक्ट सीमाओं को बंद कर दिया गया था। इससे वाहनों के आवागमन में भारी कमी देखने को मिली थी। हालांकि, अनलॉक प्रक्रिया के तहत मिल रही रियायतों के चलते सुधरती नजर आ रही है।

प्राइवेट सेक्टर को नुकसान

इससे पहले रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने मई महीने में अनुमान जताया था कि प्राइवेट सेक्टर को मार्च-जून के बीच टोल रेवेन्यू लॉस 3,450-3,700 करोड़ रुपए रह सकता है। लॉकडाउन के दौरान सीमाओं पर लगे प्रतिबंधों के चलते रिपोर्ट में आशंका जताई गई थी कि अप्रैल में 90 प्रतिशत, मई में 60-75 प्रतिशत और जून में 30-40 प्रतिशत रेवेन्यू लॉस का हो सकता है। हाईवे पर वाहनों का बढ़ती संख्या से इकोनॉमी में सुधार के संकेत के तौर पर भी देखा जा रहा है। सितंबर महीने में ट्रैफिक का स्तर भी प्री-कोविड लेवल पर पहुंच गया है। टोल रेवेन्यू में बढ़त ट्रैफिक नंबर पर भी आधारित होता है। सामान्य तौर पर हर साल टोल कलेक्शन में 8-10 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिलती है, जो सितंबर में 5-6 प्रतिशत रही है।

1 नवंबर से बदल जाएंगे ये 7 नियम, आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली। देश में 1 नवंबर से आपके रोजाना की जरूरतों से जुड़ी वस्तुओं और सर्विस से जुड़े सात नियमों में बदलाव होने वाला है जिसका सीधा असर आपकी जेब पर पड़ने वाला है। रसोई गैस सिलेंडर से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव होने वाला है। एक नवंबर से सिलेंडर बिना ओटीपी के नहीं मिलेगा। अब आपके घरेलू गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी की प्रक्रिया पहले जैसी नहीं होगी। 1 नवंबर से सिलेंडर की कीमतों में भी बदलाव होगा।

बदलेगा सिलेंडर मंगाने का तरीका–चोरी रोकने और सही ग्राहक की पहचान के लिए तेल कंपनियां नया एलपीजी सिलेंडर का नया डिलीवरी सिस्टम 1 नवंबर से लागू करने वाली हैं। इस नए सिस्टम को छ्ष्ट का नाम दिया जा रहा है यानी डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड। पहले 100 स्मार्ट सिटी में यह सिस्टम लागू होगा। केवल बुकिंग करा लेने भर से सिलेंडर की डिलीवरी नहीं होगी। आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक कोड भेजा जाएगा उस कोड को जब तक आप डिलीवरी ब्वाय को कोड नहीं दिखायेंगे तब तक सिलेंडर की डिलीवरी नहीं होगी। अगर किसी कस्टमर का मोबाइल नंबर अपडेट नहीं है तो डिलीवरी ब्वाय के पास के ऐप होगा, जिसके जरिए वह रियल टाइम अपना नंबर अपडेट करवा लेगा और उसके बाद कोड जनरेट हो जाएगा। ये सिस्टम कमर्शियल सिलेंडर पर लागू नहीं होगा।

बदलेंगी एलपीजी सिलेंडर की कीमतें–हर महीने की पहली तारीख को ऑयल कंपनियां एलपीजी सिलेंडर की कीमतें तय करती हैं। ऐसे में 1 नवंबर को सिलेंडर की कीमतों में बदलाव हो सकता है। अक्टूबर में ऑयल कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की थी।

बैंक ऑफ बड़ौदा में पैसा जमा कराने के बदलेंगे नियम– बैंक ऑफ बड़ौदा में अब अपना पैसा जमा करने और निकालने के लिए भी फीस देना पड़ेगी। 1 नवंबर से तय सीमा से ज्यादा बैंकिंग करने पर अलग से शुल्क लगेगा। इस पर बैंक ऑफ इंडिया, पीएनबी, एक्सिस और सेंट्रल बैंक भी जल्द फैसला लेंगे। बैंक ऑफ बड़ौदा ने चालू खाते, कैश क्रेडिट लिमिट और ओवरड्राफ्ट अकाउंट से जमा-निकासी के अलग और बचत खाते से जमा-निकासी के अलग-अलग शुल्क निर्धारित किए हैं। लोन अकाउंट के लिए महीने में तीन बार के बाद जितनी बार ज्यादा पैसा निकालेंगे, 150 रुपये हर बार देने पड़ेंगे। बचत खाते में तीन बार तक जमा करना मुफ्त मगर चौथी बार जमा किया तो 40 रुपये देने होंगे। वरिष्ठ नागरिकों को भी बैंक ने कोई राहत नहीं दी है।

रेलवे बदलेगा ट्रेनों का टाइम टेबल–इंडियन रेलवे पूरे देश की ट्रेनों के टाइम टेबल को बदलने जा रहा है। पहले ट्रेनों की टाइम टेबल 1 अक्टूबर से बदलने वाली थी, लेकिन किन्हीं कारणों से इसे आगे बढ़ाते हुए 31 अक्टूबर की तारीख को फाइनल किया गया है।

इंडेन गैस ने बदला बुकिंग नंबर–इंडेन ग्राहकों के लिए गैस बुक करने का नंबर बदल गया है। इंडियन ऑयल ने बताया कि पहले रसोई गैस बुकिंग के लिए देश के अलग-अलग सर्किल के लिए अलग-अलग मोबाइल नंबर होते थे। अब देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी ने सभी सर्किल के लिए एक ही नंबर जारी किया है, अब देश भर के ग्राहकों को एलपीजी सिलेंडर बुक कराने के लिए 7718955555 पर कॉल या एसएमएस भेजना होगा।

केरल में लागू होगी एमएसपी योजना–केरल सरकार ने सब्जियों के लिए आधार मूल्य तय कर दिया है। केरल सब्जियों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। सब्जियों का यह न्यूनतम या आधार मूल्य उत्पादन लागत से 20 फीसदी अधिक होगा। ये योजना 1 नवंबर से लागू होगी।

चंडीगढ़ से न्यू दिल्ली के बीच चलेगी तेजस एक्सप्रेस–1 नवंबर से प्रत्येक बुधवार को छोड़कर चंडीगढ़ से न्यू दिल्ली के बीच तेजस एक्सप्रेस चलेगी। गाड़ी संख्या 22425 न्यू दिल्ली-चंडीगढ़ तेजस एक्सप्रेस न्यू दिल्ली रेलवे स्टेशन से प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार रविवार को सुबह 9.40 पर चलेगी और दोपहर 12.40 पर चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। यानी आप 3 घंटे में चंडीगढ पहुंच जाएंगे।

चाय पत्ती 75 हजार रुपये किलो बिकी

गुवाहाटी। गुवाहाटी चाय नीलामी केंद्र (जीटीएसी) ने कोरोना वायरस महामारी के बीच हुई एक नीलामी में चाय पत्ती की विशेष किस्म मनोहारी गोल्ड की बिक्री 75 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की दर से की है। केंद्र के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि यह रिकॉर्ड दर इस साल मिली अब तक की सबसे ऊंची कीमत है। उन्होंने कहा कि एक साल के अंतराल के बाद जीटीएसी को मनोहारी गोल्ड चाय पत्ती 75000 रुपये किलो बेचने का अवसर मिला। गुवाहाटी चाय नीलामी खरीदार संगठन के सचिव दिनेश बिहानी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि यह बिक्री कंटेपररी ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड ने की और इसे गुवाहाटी स्थित चाय कारोबारी विष्णु टी कंपनी ने खरीदा। विष्णु टी कंपनी अपनी डिजिटल ई-वाणिज्य वेबसाइट नाइनएएमटी डॉट कॉम के माध्यम से इस चाय पत्ती दुनिया भर में बिक्री करेगी। बिहानी ने कहा,जब पूरी दुनिया महामारी से प्रभावित है, यह एक बड़ी उपलब्धि है। मनोहारी टी एस्टेट ने सितंबर महीने में इस विशेष किस्म के उत्पादन के लिये कड़ी मेहनत की है और उसे बिक्री के लिये जीटीएसी के पास भेजा।

सस्ते हो गए सोना-चांदी

नई दिल्ली। दिवाली से पहले सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए राहत भरी खबर है। सर्राफा बाजारों में आज सोना-चांदी दोनों सस्ता हो गए हैं। आज यानी 29 अक्टूबर को सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट गोल्ड 279 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट के साथ 50710 रुपये के स्तर पर खुला। वहीं चांदी के हाजिर भाव में भी 1343 रुपये की बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। चांदी आज 60087 रुपये प्रति किलो पर आ गई है। हालांकि इस वेबसाइट पर दिए गए रेट में जीएसटी शामिल नहीं किया गया है। सोना खरीदते-बेचते समय आप रेट का हवाला दे सकते हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक देशभर के 14 सेंटरों से सोने-चांदी का करेंट रेट लेकर इसका औसत मूल्य बताता है। सोने-चांदी का करेंट रेट या यूं कहें हाजिर भाव अलग-अलग जगहों पर अलग हो सकते हैं पर इनकी कीमतों में थोड़ा अंतर होता है।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एक नजर...

आदर्श मतदान केन्द्रों का जिला पंचायत सीईओ श्री वर्मा ने किया निरीक्षण (विधानसभा उप निर्वाचन-2020)

ग्वालियर। विधानसभा उप निर्वाचन कार्यक्रम के तहत 3 नवम्बर को होने वाले मतदान के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत तीनों विधानसभा क्षेत्रों में आदर्श मतदान केन्द्र भी बनाए जायेंगे। इस कड़ी में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र डबरा (अजा) में चिन्हित किए गए आदर्श मतदान केन्द्रों का जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने गुरूवार को निरीक्षण किया। उन्होंने डबरा शहर में चिन्हित इन मतदान केन्द्रों में बेहतर से बेहतर व्यवस्थायें कर आकर्षक बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान श्री वर्मा ने यह भी निर्देश दिए कि हर मतदान केन्द्र पर कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए व्यवस्थायें मुकम्मल की जाएँ। साथ ही साफ-सफाई, प्रकाश, छाया एवं पेयजल इत्यादि बुनियादी सुविधायें भी पुख्ता हों। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री वर्मा ने गुरूवार को डबरा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को गति देने के लिये आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक भी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक मतदान के लिये हर घर में यह संदेश पहुँचाया जाए कि लोकतंत्र की मजबूती के लिये आप सबके वोट का बहुत महत्व है। साथ ही मतदाताओं को यह भी बताया जाए कि कोविड संक्रमण से बचाव के लिये हर मतदान केन्द्र पर पुख्ता व्यवस्था रहेंगीं। मतदाताओं को लम्बी-लम्बी कतार लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्हें टोकन दिए जायेंगे। साथ ही मास्क व ग्लब्स भी मुहैया कराए जायेंगे। हर मतदाता की थर्मल स्क्रीनिंग होगी और हाथ भी सेनेटाइज कराए जायेंगे। उनके सहयोग के लिये मतदान केन्द्र पर शासकीय सेवक मौजूद रहेंगे।

मतदान दलों के लिये अधिग्रहीत बसें आज से एसएएफ ग्राउण्ड पर पहुँचेंगीं

ग्वालियर। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में उप निर्वाचन के लिये मतदान दलों को मतदान केन्द्रों तक पहुँचाने एवं मतदान के बाद वापस लाने के लिये अधिग्रहीत की गई बसें 30 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे से एसएएफ मैदान पर एकत्रित होंगीं। ज्ञात हो 2 नवम्बर को एमएलबी कॉलेज से मतदान दलों को लेकर संबंधित मतदान केन्द्रों के लिये बसें रवाना होंगीं। तीन नवम्बर को मतदान के बाद सायंकाल एमएलबी कॉलेज में ही मतदान सामग्री व ईवीएम जमा होंगीं। अधिग्रहीत बसों के मालिकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय पर अपनी बसों को एसएएफ मैदान पर पहुँचाना सुनिश्चित करें। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मतदान दलों के परिवहन के लिये 25 रिजर्व बसों सहित कुल 273 बसें अधिग्रहीत की गई हैं। जिनमें विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-15 ग्वालियर के लिये 94 बसें, विधानसभा क्षेत्र 16-ग्वालियर पूर्व के लिये 84 बसें एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 19-डबरा (अजा) के लिये अधिग्रहीत की गईं 70 बसें शामिल हैं।

लोकायुक्त ब्रेकिंगः ड्रग इंस्पेक्टर अजय ठाकुर ने रिश्वत मांगी

सेम्पल सहायक आयूब खान भी पकड़ा

ग्वालियर। लोकायुक्त पुलिस ग्वालियर ने आज बडी कार्रवाई करते हुये रिश्वत लेते हुये ड्रग एवं फूड इंस्पेक्टर कार्यालय के सेम्पल सहायक आयूब खान को पकडा है। आयूब ने ड्रग इंस्पेक्टर अजय ठाकुर के कहने पर ड्रग लायसेंस बनवाने के एवज में आवेदक महेन्द्र बाथम से 30 हजार रूपये की मांग की थी। जिस पर लोकायुक्त पुलिस ने 25 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये अयुब खान को उनके कार्यालय में ही धर दबोचा। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा ने बताया कि महेन्द्र बाथम मछली मार्केट लधेडी ने ड्रग लायसेंस के लिये 13 अक्टूबर को ऑन लाइन आवेदन किया था। जिस पर लायसेंस नहीं बना तो उसने ड्रग इंस्पेक्टर अजय ठाकुर से बात की जिन्होने लायसेंस के एवज में 30 हजार रूपये मांगे । इन रूपयों के लिये आयूब खान सेम्पल सहायक से महेन्द्र बाथम का सौदा बातचीत में 25 हजार में पटा। आज महेन्द्र बाथम ने फूड व औषधि विभाग के कार्यालय कलेक्ट्रेट मं जैसे ही 25 हजार रूपये की राशि दी तो पहले से ही तैयार लोकायुक्त टीम ने आयूब खान को दबोच लिया। लोकायुक्त की टीम में डीएसपी प्रद्युम्न पाराशर, कविन्द्र सिंह चौहान, आराधना डेविस व अन्य कर्मचारी शामिल थे। लोकायुक्त पुलिस ने ड्रग इंस्पेक्टर अजय ठाकुर व सेम्पल सहायक आयूब खान के खिलाफ धारा 7, 31/1 बी, 13 (2)पीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

चुनाव में खराब शब्दावली कांग्रेस की हार वाली मानसिकताः संजय पाठक

ग्वालियर। चुनाव प्रचार में खराब शब्दावली का इस्तेमाल कांग्रेस की हार की हताशा वाली मानसिकता को दर्शाता है। उपचुनाव में भी कांग्रेस ने हर सीट पर प्रत्याशी का मुकाबला करने की कोशिश की, लेकिन जनता समझदार है कि उसके क्षेत्र, प्रदेश और देश का भविष्य किसके हाथ में सुरक्षित है। उक्त बात गुरूवार को विधायक संजय पाठक ने अटल सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। पाठक ने कहा कि हार की हताशा में कांग्रेस प्रचार में खराब शब्दावली का उपयोग कर रही है। इस प्रकार की शब्दावली पहले प्रदेश में उपयोग में नहीं लाई गई। कांग्रेस ने 2019 के लोकसभा चुनाव में भी राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया और देश की जनता ने उन्हें जबाव दे दिया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए डाक मतपत्रों के दुरुपयोग पर भी कांग्रेस इसी प्रकार के आरोप लगा रही है, क्योंकि उन्हें हार का डर दिखाई दे रहा है। हार की हताशा में ही कांग्रेस पहले भी चुनाव आयोग में ईवीएम का बहाना लेकर आरोप लगाती आई है। जब 2018 में मप्र में कांग्रेस की सरकार बनी तो चुनाव आयोग और ईवीएम किसी पर आरोप नहीं लगाए। उन्होंने कहा कि वे पिछले कई दिनों से ग्वालियर-चंबल अंचल में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और सभी सीटों पर भाजपा का प्रभाव देखा जा सकता है। कांग्रेस ने प्रयास किया कि चुनाव प्रचार प्रत्याशी के बीच हो, लेकिन प्रदेश की जनता समझती है कि उसके क्षेत्र के साथ प्रदेश और देश का भविष्य किसके हाथ में सुरक्षित है।

जनमत बेचने वालों को जनता सबक सिखायेगीः डॉ.सिकरवार

जगह-जगह लोगों ने किया जोरदार स्वागत

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व से कॉग्रेस प्रत्याषी डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज वार्ड 29 में भदौरिया मार्केट माता जी के मंदिर से कॉग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जनसम्पर्क षुरू किया। आज सुबह करीब 8 बजे कार्यकर्ता डॉ. सतीष सिंह सिकरवार के नेतृत्व में भदौरिया मार्केट माता जी के मंदिर पर एकत्रित हुये और वहां से डॉ. सिकरवार के साथ दर्पण कॉलोनी, एच.आई.जी. क्वाटर, एल.आई.जी. क्वाटर, 8 दुकान चौराहा, जनता क्वाटर, गायत्री विहार, न्यू दर्पण कॉलोनी, गोविन्दपुरी, रामानुज नगर की विभिन्न गलियों में जनसम्पर्क किया एवं षाम 5 बजे होटल सेन्ट्रल पार्क से वार्ड 30 में जनसम्पर्क हुआ। जनसम्पर्क के दौरान कई स्थानों पर डॉ. सिकरवार का पुश्पहार पहनाकर स्वागत किया एवं महिलाओं ने तिलक कर एवं श्रीफ्ल भेंट कर आर्षीवाद दिया। जनसम्पर्क के दौरान डॉ. सिकरवार ने जनता को संबोधित करते हुये कहा कि आपने जिसको जनमत से चुनकर जनप्रतिनिधि बनाया, उसने अपने निजी स्वार्थ के लिए आपके जनमत और विष्वास को बेच दिया। ऐसे जनमत के हत्यारों को माफ नही किया जा सकता है और अब समय आ गया है ऐसे विष्वासघाती को सजा देने का और ये सजा आप आने वाले 3 नबंबर को देगें। जनसम्पर्क में कार्यकर्ताओं की भीड द्वारा कॉग्रेस पार्टी जिंदाबाद, सोनिया गांधी जिंदाबाद, राहुल गांधी जिंदाबाद, कमलनाथ जिंदाबाद, सतीष सिकरवार जिंदाबाद के नारे लगाये जा रहे थे।

कल दिनांक 30 अक्टूबर कार्यक्रमः- प्रातः 8 बजे ललितपुर कॉलोनी कार्यालय से एवं षाम 5 बजे रेल्वे फाटक सिंधिया नगर से जनसम्पर्क षुरू होगा।

भारतीय मजदूर संघ ने आज कलेक्टर को प्रधानमंत्री के नाम सौपा ज्ञापन

ग्वालियर। भारतीय मज़दूर संघ जिला ग्वालियर ने राष्ट्रीय एवं प्रांतीय आह्वान पर ओधोगिक सम्बन्ध 2020 पर नए कोड पर आपत्ति जताते हुए पिछले मसौदे में पीएससीएल द्वारा सिफारिशों को नहीं मानें जाने पर भारत के प्रधानमंत्री के नाम दिनांक आज कलेक्टर ग्वालियर के द्वारा प्रदर्शन करज्ञापन दिया। एक प्रेस विज्ञप्ति में जिला महामंत्री सुरेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि औधोगिक सम्बन्ध 2020 पर नए कोड पर भारतीय मजदूर संघ और अन्य ट्रेड यूनियनों नें आपत्ति जताई है क्योंकि औद्योगिक सम्बन्ध कोड के पिछले मसौदे में विस्तृत आपत्तियां दी गयी थी भारतीय मजदूर संघ और अन्य ट्रेड यूनियनों के साथ साथ श्रमिकों के पक्ष में संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों पर किसी भी आपत्ति को संशोधित मसौदे में नहीं माना गया है यह कोड नियोक्ताओं ओर स्इुठ्ठस्र्द्ध4इुस्र्द्द्द्य्द्ध नॉकरशाहों के पक्ष में बहुत अधिक झुका हुआ है ये ट्रेड यूनियनों की भूमिका को कम करने का स्पष्ट प्रयास है यहां तक की कुछ प्रावधानों की संबैधानिकता पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का भी उल्लंघन हो रहा है बीएमएस इन्ही नए परिवर्तनों को लेकर विरोध करता है जिसमें मुख्य निम्न हैं औधोगिक रोजगार स्थायी आदेश कानून में 300 से अधिक कर्मचारियों के लिये छूट दी गयी है जबकि वर्तमान में यह कानून में 100 और कई राज्यों में 50 है , वास्तव में 2 एनसीएल नें 50 से 20 श्रमिकों से स्थायी आदेशो को तैयार करने के लिए सीमा को नीचे लाने का प्रस्ताव तैयार किया है , स्ह्रस्न्न ने क्वस्ट्ररु को बताया - मॉडल स्टेंडिंग ऑर्डर , सर्टिफिकेट ऑफ स्टेंडिंग ऑर्डर को नहीं बदला क्योंकि यह अच्छे तरीके से कार्य कर रहें हैं क्वस्ट्ररु नें ट्रेड यूनियन के पंजीकरण के लिए 45 दिनों की समय सीमा की सिफारिश की यह लम्बे समय से उनकी मांग थी . अभी भी इसे शामिल नहीं किया गया है जबकि नियोजित करने के लिए नियोक्ताओं की अनुमति के लिए छटनी और समापन निर्धारित 60 दिनो की समय सीमा कर दी है एक मात्र बातचीत संघ के नए प्रावधान में पात्रता 75 से कम करके 51त्न कर दी है , सबसे विवादास्पद अध्याय ले ऑडिट छटनी और बन्द करने पूर्व अनुमति पर 300 श्रमिकों तक कि छूट दी गयी है इससे व्यापार बन्द या कम आसान होगा आईआर कोड संसद के नॉकरशाहों की जगह लेने की कोशिश से भरा है , नॉकरशाहों को पुरुस्कार देने के प्रावधान का विरोध किया है इन सभी परिवर्तनों के विरोध में भारतीय मज़दूर संघ जिला ग्वालियर राष्ट एवं प्रान्त व्यापी आह्वान पर कोविड-19 के शाशन प्रशासन के नियमों व मास्क सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए आज सभी सम्बद्ध यूनियनो के पदाधिकारियों के साथ शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट गेट पर एकत्रित होकर वहां से चलकर प्रधानमंत्री के नाम प्रदर्शन कर कलेक्टर महोदय को ज्ञापन दिया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भू दयाल पाठक , जिला महामंत्री सुरेंद्र सिंह भदौरिया,उपाध्यक्ष डॉ नवीन दुबे, सहमंत्री महावीर सिंह किरार, भा प्रा म महा संघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह कुशवाह, म प्र राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन भटनागर, अध्यक्ष सुनील दुबे, कोषाध्यक्ष इंद्रपाल निवारिया, सुनील आर्य,जितेंद्र चौहान,एम आर संघ के विजयंत नायक,यातायात टेम्पो चालक समिति से विजय सिंह राठौर सतीश गुप्ता,जितेंद्र सिंह लोडिंग से शाबिर खान,हाथ ठेला फुटकर व्यापारी संघ से हंसराज सिसोदिया,सुनील श्रीवास, मनीष शिवहरे, ,प्रदीप दीखित, केशव शर्मा,मानसिक आरोग्य शाला से अध्यक्ष शिवकुमार दीक्षित,सचिव गोविंद यादव,ई रिक्शा से अरुण शर्मा,मलखान सिंह सहित लगभग एक सैकड़ा पदाधिकारी/कार्यकर्ता मौजूद थे।

भारतीय अपना अधिकार पार्टी को कॉंग्रेस पार्टी उम्मीदवार सुनील शर्मा को समर्थन

ग्वालियर(अर्पित गुप्ता)। को भारतीय अपना अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर बादाम सिंह राजपूत ने ग्वालियर 15 विधानसभा के कॉंग्रेस पार्टी के उम्मीदवार सुनील शर्मा जी के लिए समर्थन दिया और तन मन धन से लगनशील और कर्मठ प्रत्याशी सुनील शर्मा जी को चुनाव जिताने का संकल्प लिया। आज किरार छात्रावास के पास हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय श्री भीकम सिंह यादव जी ने की और अपना उद्बोधन देते हुए कहा कि इस बार पूरा किरार समाज कांग्रेस पार्टी के समर्थन में खड़ा है और लोकतंत्र के सिद्धांतों का हनन करते हुते जो सरकार बनाई गई है उसे हमे नकार कर जनता की सरकार कॉंग्रेस पार्टी की सरकार बनानी चाहिए।हमारे बीच ग्वालियर 15 विधानसभा क्षेत्र से मेहनती और जनता से दिल का रिश्ता रखने वाले सुनील शर्मा जी को भारी बहुमत से विधानसभा भेजना है। आज कार्यक्रम में कांग्रेस प्रत्याशी सुनील शर्मा जी,ओमप्रकाश राजपूत जी, विजय सिंह जी, केदार सिंह जी, हिमांशु कुलश्रेष्ठ जी ने भी अपने विचार रखे। बादाम सिंह राजपूत जी ने आभार प्रदर्शन किया। भारतीय अपना अधिकार पार्टी की कार्यकारिणी ने भीकम सिंह जी एवं सुनील शर्मा जी का स्वागत पुष्पहार से किया। आज कार्यक्रम में सोमिल शर्मा, शुभम गुप्ता, विजय पांडेय, जगदीश राजपूत, बबलू खान, राम मोहन पाल, अबरार खान, उमेश जैन, नेमा शुक्ला, उर्मिला श्रीवास्तव, गजेंद्र सिंह, गयाप्रसाद रावत, टिल्लू राजपूत आदि उपस्थित रहे।

ग्वालियर 15 विधानसभा में सुनील शर्मा के लिए उतरे भारतीय अपना अधिकार पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता

खाद्य विभाग की टीम के द्वारा भरे गये सेम्पल

दबोह(अर्पित गुप्ता)

नगर में त्यौहार आते ही खाद्य विभाग की टीम के द्वारा कुछ मिठाई की दुकानों पर सेम्पल भरे गये।खाद्य निरीक्षक राजेश गुप्ता के द्वारा बताया गया कि बहुत दिनों से पुरानी मिठाई बिकने की शिकायत मिल रही थी इसलिए आगामी त्यौहार के चलते जिलाधीश महोदय के निर्देशन व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के मार्गदर्शन में औचक निरीक्षण कर दबोह बाजार से मिठाई की दुकानो से मिठाइयों के सेम्पल भरे गये है इन सैम्पलो को भोपाल भेजा जायेगा जिसकी रिपोर्ट आने पर उचित कार्यवाही की जाएगी।उन्होंने बताया कि आगे भी हमारी टीम के द्वारा समय-समय पर नगर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जाँच के लिये निरीक्षण किया जाता रहेंगा वही खाद्य विभाग की टीम के पहुँचते ही नगर में हड़कंप सा मच गया नगर की मिठाई व किराना दुकानदारो ने अपनी-अपनी दुकानों को बंद कर टीम किस ओर जा रही है यह जानकारी करने के लिये अपना एक-एक गुरखा टीम के पीछे छोड़ दिया जब तक टीम के द्वारा इन तीन दुकानों पर सेम्पल भरे गये तब तक बाजार की बहुत सी दुकाने बंद हो चुकी थी खाद्य विभाग की टीम में खाद्य निरीक्षक राजेश गुप्ता के साथ खाद्य निरीक्षक बृजेश शिरोमणि,रीना बंसल एवं दबोह राजस्व निरीक्षक मुन्नालाल जमोरिया मौजूद रहे।

आम जनता बोली त्यौहारो पर ही क्यों भरे जाते है सेम्पल-जब भी कोई त्यौहार नजदीक आता हैं सिर्फ तब ही क्यों खाद्य विभाग के अधिकारियों को मिठाई में मिलावट के साथ किराना की दुकानों में मिलावट दिखाई देने लगती हैं जिस वक्त दुकानो की दुकानदारी अधिक होती है उसी वक्त पर सेम्पल भरने के लिए क्यो आते है जबकि दुकानदारों के द्वारा अधिकांश वस्तुए गुणवत्तापूर्ण नही होती हैं यदि खाद्य विभाग के अधिकारीयो की द्वारा हर माह निरीक्षण किया जाए तो निश्चित ही कुछ सुधार हो सकता हैं गौरतलब है कि दबोह से अभी तक सैकड़ो बार सैम्पल लिए गए है परंतु उन सैम्पलों की रिपोर्ट व सम्बंधित पर कार्यवाही के बारे में कभी कुछ पता नही चलता है खाद्य विभाग की टीम के आते आम जन में चर्चा के दौरान सुना जा सकता है कि त्यौहार आते ही कमाई के लिये आ जाते कभी किसी पर कोई कार्यवाही के बारे में तो सुना नही होंगा बाद में सारा मामला रफादफा कर दिया जाता है अब देखना यह होंगा कि इस बार इन सैम्पलों पर अधिकारियों की क्या प्रतिक्रिया रहती है।

तीन अपराधी जिला बदर एवं एक को देना होगा बंध पत्र

ग्वालियर। जिले में विधानसभा उप निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के मकसद से आपराधिक तत्वों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने तीन आदतन अपराधियों को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के अंतर्गत जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। साथ ही एक को बंध पत्र प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर लोक शांति एवं जन सुरक्षा को देखते हुए यह आदेश जारी किए गए हैं। जिला दण्डाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिन अपराधियों के विरूद्ध जिला बदर के आदेश पारित किए हैं उनमें रोविन जाट उर्फ रोमी पुत्र भंवर सिंह निवासी फ्लेट नं. 503 लोटस विला हाल-शिव कॉलोनी सिरोल मुरार, रामवरण यादव पुत्र अजीत यादव निवासी बड़ागाँव मुरार एवं राकेश दुबे पुत्र स्व. सुरेन्द्र दुबे निवासी हरिजन बस्ती महलगांव जिला ग्वालियर शामिल हैं।

TOMAR ASSOCIATES
शीघ्र करें, ऑफर सीमित समय के लिये
नवरात्री के अवसर पर
विशेष छूट पर प्लॉट उपलब्ध
ग्वालियर शहर में आसान मासिक किस्तों पर प्लॉट उपलब्ध। भिण्ड-ग्वालियर मैन रोड से मात्र 500 मीटर की दूरी पर सर्व सुविधा युवत पक्की कॉलोनी गौरी नगर में प्लॉट उपलब्ध है।
500, 600, 800, 1000, 1200 वर्ग फुट
नोट : तुरन्त रजिस्ट्री कराने पर रजिस्ट्रीखर्चे में 25 प्रतिशत का खर्चा TOMAR ASSOCIATES द्वारा दिया जायेगा।
नवरात्री पर विशेष छूट बेटी वाले परिवार को 100 रू वर्गफीट की विशेष छूट रहेगी।
कॉल करें या मिलें 9 से 6 बजे तक
पता : 03 तोमर मार्केट, गायत्री मन्दिर वाली गली, पिन्टो पार्क, ग्वा. म.प्र.
मो.: 9713253992, 9165260261, 9111503705.
मुद्रक : भारत प्रिंटर्स, गिर्राज प्लाजा, पिन्टो पार्क, ग्वा. 9644042434

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
पुष्पांजली टुडे
निःशुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रद्धांजलि शोक संदेश उठावनी
क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सायं 6 बजे तक
डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु
संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478